RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 मैं सार्वजनिक संपति नहीं...

वर्ष : 26 | अंक : 242 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 24 अगस्त, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

कांग्रेस J-K में फिर आतंक वाद लाना चाहती है : योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और गठबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा के गंभीर सवाल खड़े करता है। योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता की घोषणा का समर्थन करेगी? उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या कांग्रेस धारा 370 और अनुच्छेद 35A की बहाली के जरिए जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के दौर में धकेलने के NC के प्रस्ताव का समर्थन करेगी?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यूज एजेंसी से बातचीत करते हुए यह भी आरोप लगाया कि इस गठबंधन से कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा उजागर हुआ है. उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस दलितों, गुर्जरों, बकरवाल और पहाड़ी समुदायों के आरक्षण को समाप्त करने के NC के फैसले का समर्थन करेगी? योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह पाकिस्तान के साथ एलओसी ट्रेड फिर से शुरू करने के पक्ष में है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) के गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह राहुल गांधी से पूछा कि क्या उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर के लिए फिर से अलग झंडे

कड़ी सुरक्षा में दूसरे दिन पुलिस भर्ती परीक्षा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में 18 केंद्रों पर दूसरे दिन शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पुलिस भर्ती परीक्षा आयोजित हो रही है कासना व बादलपुर परीक्षा केंद्र में पुलिस की कड़ी सुरक्षा है। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी ने भी परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया।

कल पहले दिन हुई परीक्षा देने के बाद परीक्षार्थियों ने बताया कि पेपर में रीजनिंग तो आसान थी, लेकिन सामान्य ज्ञान के प्रशन करने में पसीने छूट गए। हिंदी के प्रशन भी आसान थे। पुलिस भर्ती परीक्षा पांच दिन तक आयोजित होगी। परीक्षा देने के लिए बिहार व अन्य राज्यों से परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे।

अपर पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने बताया कि कासना व बादलपुर तथा ग्रेटर नोएडा में स्थित परीक्षा केंद्र में कड़ी सुरक्षा है। परीक्षा के लिए जिले में 1000 हजार पुलिस कर्मियों को लगाया गया था।

300 सीसीटीवी कैमरे निगरानी के लिए लगाए गए थे। कासना स्थित श्री अमीचंद इंटर कालेज परीक्षा केंद्र के पास बिहार व अन्य जगहों से परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों के अभिभावकों के ठहरने के लिए पुलिस द्वारा टेंट व चाय-पानी की व्यवस्था की गई।

पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के दृष्टिगत ADCP/ACP-3 सेन्ट्रल नोएडा द्वारा निरन्तर भ्रमणशील रहकर परीक्षा केन्द्रों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया एवं परीक्षा ड्यूटी में लगे पुलिस बल को ब्रीफ कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

सफ़ाईगिरी और 'नो थू-थू' अभियान ने पकड़ा जोर

नोएडा (चेतना मंच)। आज नोएडा अथॉरिटी द्वारा हमारे सैक्टर-112 में सफ़ाईगिरी प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमे नोएडा अथॉरिटी से सभी विभागों के काफ़ी अधिकारी व फ़ोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, महासचिव के के जैन, कोषाध्यक्ष पवन यादव एवम् उनकी टीम के काफ़ी पदाधिकारी पहुँचे।

प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक जन स्वास्थ्य आरके शर्मा के अलावा (शेष पृष्ठ-3 पर)

कोर्ट में जमानत देने आए व्यक्ति की बाइक चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर स्थित जिला न्यायालय परिसर के बाहर पार्किंग से एक व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई। पीड़ित अपने किसी रिश्तेदार की जमानत देने के लिए जिला न्यायालय आया था। बाइक चोरी होने के बाद पुलिस ने भी उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की जिसके बाद उसने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए न्यायालय का सहारा लिया।

होशियापुर गांव निवासी कृष्ण ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 18 मार्च को वह अपने किसी रिश्तेदार की जमानत देने के लिए सूरजपुर स्थित (शेष पृष्ठ-3 पर)

ऑटो में महिला से दुष्कर्म का प्रयास करने वाला मुठभेड़ में लंगड़ा

नोएडा (चेतना मंच) नोएडा की फेस-2 पुलिस ने एक महिला सवारी को ऑटो में बिठाकर सुनसान इलाके में ले जाकर छेड़छाड़ और दुष्कर्म का प्रयास करने वाले बदमाश को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपी के पास से ऑटो, तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है. आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है.वह कन्नौज थाना में मारपीट और दुष्कर्म के मामले में वांछित था। (शेष पृष्ठ-3 पर)

दलित युवती के साथ दुर्व्यवहार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा में दो भाइयों के खिलाफ दलित युवती के साथ दुर्व्यवहार करने तथा जाति सूचक शब्द कहने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

ग्राम कानपुर निवासी उदयभान सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 20 अगस्त की शाम को उसकी नाबालिक बेटी अपने घर से घेर पर जा रही थी। वह जब संजय शर्मा के घर के सामने से गुजरी तो वहां खड़े संजय शर्मा व उसके भाई राजकुमार शर्मा ने उनकी पुत्री के साथ दुर्व्यवहार शुरू कर दिया। उसकी बेटी ने जब इसका विरोध किया तो दोनों भाइयों ने उसके साथ गाली गलौज कर जाति सूचक शब्द कहें। उदयभान के मुताबिक संजय शर्मा के साथ उसका पिछले 1 वर्ष से एक प्लॉट को लेकर विवाद चल रहा है।

यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। प्लॉट के विवाद के चलते ही संजय शर्मा व उसका भाई उससे रंजिश मानते हैं।

ग्रेटर नोएडा में ओपन बार में जाम छलकाते 216 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस कमिश्नरेट ने ग्रेटर नोएडा के विभिन्न स्थानों पर जाम छलकाने वाले 216 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोग शहर में ओपन बार बनाकर शराब पी रहे थे। पुलिस ने ग्रेटर नोएडा के कई मार्किट में भी अभियान चलाकर शराबियों को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर मदिरापान करने वाले लोगों के खिलाफ बीती रात को ग्रेटर नोएडा पुलिस ने सख्त अभियान चलाया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मारपीट कर सोने की चेन, मोबाइल व नकदी लूटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम रामपुर फतेहपुर में चार युवकों ने एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर उस से सोने की चेन, मोबाइल फोन व 20 हजार रुपए लूट लिए। पीड़ित ने गांव के ही चार युवकों के खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम रामपुर फतेहपुर निवासी राहुल शर्मा ने बताया कि वह 21 जुलाई को अपने घर से घेर पर जा रहा था। रास्ते में अजय प्रधान के घर के पास उसे गांव के ही पुष्पेंद्र कसाना,धर्मी, भगती कसाना व हरेंद्र आदि ने उसके आगे कार खड़ी कर उसे रोक लिया। शराब के नशे में धुत्त इन लोगों ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। उसने जब गाली गलौज का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। (शेष पृष्ठ-3 पर)

डग्गामार वाहनों पर शिकंजा कसने सड़क पर उतरे ARTO

नोएडा (चेतना मंच)। आरटीओ प्रवर्तन गाजियाबाद, अनधिकृत बसों के खिलाफ चलाए जा रहे प्रदेश व्यापी अभियान के

आज नोएडा में अपनी प्रवर्तन टीमों के साथ खुद सड़क पर उतरे। दृष्टिगत आज उन्होंने नोएडा के जीरो प्वाइंट से जेवर टोल तक कॉम्बिंग की और मानक के अनुरूप न चलने वाली बसों की चेकिंग कराई।

आरटीओ के डी सिंह ने बताया कि इस अभियान के सकारात्मक परिणाम आए हैं, और एक्सप्रेस वे पर नोएडा से चढ़ने वाली अनधिकृत तथा बॉडी कोड का उल्लंघन कर रही बसों का संचालन अत्यंत न्यून हुआ है। बॉडी कोड का उल्लंघन कर रही दो बसों के मालिकों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई है और इस अभियान में अब तक 70 से भी अधिक बसों के विरुद्ध कार्यवाही की जा चुकी है। यह अभियान 31 अगस्त तक जारी रहेगा।

कांग्रेस नोएडा महानगर कमेटी की घोषणा 2-3 दिनों में : मुकेश यादव

नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेस पार्टी की जनपद गौतमबुद्धनगर की जिला कमेटी घोषित होने के बाद अब नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी की घोषणा 2-3 दिनों में कर दी जाएगी। यह जानकारी कांग्रेस के नोएडा महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने दी है।

उन्होंने बताया कि 40 सदस्यीय महानगर कमेटी में अध्यक्ष तथा कोषाध्यक्ष के अलावा 8 उपाध्यक्ष तथा 10 महासचिवों को रखा गया है। वहीं एक मीडिया प्रभारी तथा सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्यों को स्थान दिया गया है।

महानगर अध्यक्ष ने बताया कि इस कमेटी में हर जाति व वर्गों को ध्यान में रखते हुए संतुलित कमेटी बनाई गई है जिसमें महिलाओं के अलावा कर्मठ कार्यकर्ताओं को तरजीह दी गयीहै।

मुकेश यादव ने बताया कि वर्ष-2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मददेनजर नई कमेटी गठित की गयी है। कमेटी गठित होने के बाद व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान भी शुरू किया जाएगा।

नोएडा में कुलाचे भरते दिखेंगे नाना प्रजाति के हिरण !

सेक्टर-91 में 40 करोड़ की लागत से 30 एकड़ में बनेगा डीयर पार्क

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-91 स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क में 30 एकड़ में स्थापित होने वाले डीयर पार्क में अफ्रीका से भी हिरण लाकर रखे जाएंगे। इस पार्क को बनाने में 40 करोड़ रूपये खर्च होंगे। इसकी अनुमति के लिए उद्यान विभाग के शीर्ष अधिकारी लखनऊ गये हुए हैं।

नोएडा में 10 प्रजातियों के हिरण को लाया जाएगा। इसमें तीन प्रजाती अफ्रीका से एक्सपोर्ट की जाएंगी। इसक अलावा कानपुर, हैदराबाद और लखनऊ के चिड़ियाघर से यहां हिरण लाए जाएंगे। नोएडा प्राधिकरण ने बताया कि नोएडा, गाजियाबाद और आसपास में ऐसा डियर पार्क नहीं है। इसलिए यहां डियर पार्क बनाया जा रहा है। इसके लिए प्राणी विशेषज्ञों से बातचीत भी की गई है। ताकि विदेश से लाए जाने वाले हिरण के लिए यहां का पर्यावरण अनकूल बनाया जा सके।

नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-91 में 110 एकड़ में बायोडायवर्सिटी पार्क विकसित किया है। पार्क चार प्राकृतिक भागों के अलावा बायोम में बांटा गया है। इनमें कोही, बांगर, खादर और डाबर हैं। यहां 100 से अधिक प्रजाति के देसी पौधे, 120 से अधिक प्रजाति की जड़ी-बूटी व अन्य प्रकार के पौधे लगाए गए हैं। साथ ही 9 गृह वाटिका और नक्षत्रशालाएं भी बनाई गई हैं। इसमें गृह और नक्षत्र के हिसाब से पौधे लगाए गए हैं।

साथ ही वॉक के लिए कच्चा ट्रैक और फूड कोर्ट भी बनाया गया है। इसके निर्माण में करीब 40 करोड़ रुपये की लागत आई है। इसके साथ ही पार्क के बराबर में बड़े क्षेत्रफल की जगह भी खाली पड़ी हुई है। डियर पार्क को करीब 30 एकड़ में आकार दिया जा सकता है। इसकी योजना पर विचार शुरू कर दिया गया है। नोएडा अथॉरिटी शहरवासियों को घूमने के लिए एक परफेक्ट लोकेशन तैयार करने की नीति पर काम कर रहा है।

फिल्म सिटी के सामने नहीं लगेगा जाम !

350 मीटर लम्बी सड़क होगी चौड़ी, 17 पेड़ कटेंगे

नोएडा (चेतना मंच)। अब चिल्ला बॉर्डर से महामाया फ्लाईओवर जाने के मार्ग में फिल्म सिटी के सामने लगने वाले जाम से निजात मिल जाएगी। यहां 350 मीटर लम्बी सड़क को चौड़ा किया जा रहा है। आज से काम शुरू भी हो गया है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण का जिम्मा सुप्रीम कंस्ट्रक्शन एजेंसी को दिया गया है। चिल्ला बॉर्डर से महामाया फ्लाईओवर की तरफ जाने वाली सड़क को सेक्टर-15 ए और 16 ए के बीच चौड़ा करने का काम आज से शुरू हो जाएगा। यहां पर मौजूदा सड़क औसत 12.2 मीटर की बचती है। इसे सेक्टर-16 ए की तरफ फुटपाथ शिफ्ट करते हुए 14 मीटर चौड़ा किया जाएगा। इसके साथ ही सेक्टर-16ए की तरफ से आकर जो सड़क जुड़ती है उस मोड़ को भी नए सिरे से बनवाया जाएगा। यह काम पूरा होने में 3 महीने का समय अनुमानित है। अधिकारियों ने बताया कि इस काम पर करीब 70 लाख रुपये लागत आएगी। सड़क चौड़ी किए जाने के दौरान यहां पर लगभग 17 पेड़ भी काटे जाएंगे। इसकी मंजूरी नोएडा प्राधिकरण ने वन विभाग से ले ली है।

नौएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

समाज सेविका पर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक ने एक समाज सेविका सहित दो लोगों को नामित करते हुए थाना बीटा-2 में मुकदमा दर्ज करवाया है।

थाना बीटा-2 के प्रभारी निरीक्षक विद्युत गोयल ने बताया कि बीती रात को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक (स्वास्थ्य) मनोज कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने गुरुग्राम में स्थित एक कंपनी को वेस्ट मैनेजमेंट और डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करने का काम दिया है। यह लोग कूड़ा उठाकर प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराए गए एमआरएफ सेंटर कासना की तरफ जाने वाली 80 मीटर चौड़ी सड़क के किनारे 2000 वर्ग मीटर जमीन में रखते हैं, तथा उसे वहां से निस्तारित करने का कार्य करते हैं। पीड़ित का आरोप है कि श्रीमती सविता शर्मा पत्नी चंद्र मोहन शर्मा और मनोज शर्मा द्वारा उनके कार्य में बाधा डाला जा रहा है। यह लोग एमआरएफ सेंटर का कार्य बाधित कर रहे हैं। पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आरक्षण पर बवाल

आरक्षण पर 'भारत बंद' का आह्वान! सफल रहा या बेअसर साबित हुआ, यह अलग मुद्दा है, लेकिन दलित-आदिवासी संगठनों ने 'भारत बंद' का आह्वान क्यों किया? यह आश्चर्यजनक लगा। क्या ऐसी नकारात्मक और विध्वंसक राजनीति भी बाबा अंबेडकर की देन है? क्या सर्वोच्च अदालत की 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का भी सामूहिक, सड़किया विरोध करना अंबेडकर की सीख है? क्या बाबा के संविधान के अनुच्छेद 16 (4) में यह उल्लेख नहीं है कि आरक्षण का उप वर्गीकरण किया जा सकता है? क्या संविधान पीठ ने विभिन्न अनुच्छेदों का हवाला देते हुए यह स्पष्ट नहीं किया है कि कोटे के भीतर कोटे की व्यवस्था भी संवैधानिक है? क्या प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के परिसर में सांसदों के एक समूह को सार्वजनिक तौर पर आश्वस्त नहीं किया था कि आरक्षण में उप वर्गीकरण के न्यायिक फैसले को स्वीकार नहीं किया जाएगा? संविधान पीठ के फैसले का किसी सरकार द्वारा ऐसा विरोध भी आश्चर्यजनक है। अलबत्ता संसद के पास ऐसी संवैधानिक शक्तियां हैं कि वह संविधान पीठ के फैसले को खारिज कर सकती है। दलित और आदिवासी संगठनों को क्या आशंका थी कि उन्होंने 'भारत बंद' का आह्वान किया और देश के कुछ हिस्सों में अराजकता फैलाई। उनका आरक्षण सुनिश्चित है। संविधान पीठ ने जिस क्रीमीलेयर की बात कही थी, प्रधानमंत्री ने फिलहाल उसे भी अस्वीकार कर दिया है। दलित और आदिवासियों को सुनिश्चित कौन कर सकता है? क्या कांग्रेस, सपा, राजद, बसपा सरीखी राजनीतिक पार्टियां दलितों और आदिवासियों को बुनियादी तौर पर विश्वास दिला सकती हैं? बहरहाल नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की सुविधाएं मिल रही हैं। यह उनका मौलिक अधिकार-सा बन गया है। यह दीगर है कि भारत सरकार के कुछ शीर्ष और उच्च पदों पर उनकी भागीदारी 4 फीसदी और 4.5 फीसदी है। यह परंपरागत विसंगतियों का ही नतीजा है। 2014 में भारतीय सत्ता में बड़ा परिवर्तन हुआ था और प्रधानमंत्री मोदी की सरकार शासन में आई थी। सत्ता के 10 सालों में आरक्षण-विरोधी अथवा दलित, आदिवासी-विरोधी एक भी निर्णय सरकार ने नहीं लिया। पहली बार देश के राष्ट्रपति पद पर आदिवासी महिला को आसीन कराया गया। अभी 45 उच्च पदों पर जो सीधी नियुक्तियां की जानी थी, उस फैसले को भी वापस ले लिया गया। विपक्ष कुछ भी व्याख्या करता रहे। बेशक भाजपा की तुलना 'विषैले सांप' से करता रहे। सवाल है कि दलित, आदिवासी संगठनों को कोई ठोस शिकायत है अथवा वे राजनीतिक नेरेटिव से संचालित किए जा रहे हैं? जो इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं, जिन्हें लगता है कि वे आरक्षण, संविधान बचाने के मुद्दे पर मोदी और भाजपा का राजनीतिक विस्तार रोक सकते हैं, वे 'भारत बंद' के दौरान कहां थे? सडक़ पर मायावती, अखिलेश यादव, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सरीखे नेता दिखाई नहीं दिए, जो आजकल दलित, आदिवासियों और पिछड़ों के पैरोकार बने हैं। यदि संगठनों को संविधान पीठ के फैसले पर आपत्ति थी, तो वे सर्वोच्च अदालत में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर सकते थे। संविधान पीठ कोई राजनीतिक संगठन नहीं है, जिसके खिलाफ 'भारत बंद' के जरिए विरोध-प्रदर्शन किया जाए। वह न्याय का सर्वोच्च और अंतिम मंच है। मोदी सरकार ने ऐसा कुछ किया नहीं है कि 'भारत बंद' का आह्वान किया जाता। पंजाब और हरियाणा में कुछ दलित जातियां ऐसी हैं, जिन्होंने 'भारत बंद' का समर्थन नहीं किया। वाल्मीकि और मजहबी सिख आदि आरक्षण के उप वर्गीकरण के पक्षधर हैं। दलित और आदिवासियों को एहसास होना चाहिए कि उच्च जातियां उनके आरक्षित पदों को नहीं हड़प रही हैं, बल्कि ऐसे पद भरे ही नहीं जा रहे हैं। आरक्षण में भी कुछ जातियों का वर्चस्व है, जो कमोबेश 50 फीसदी तक आरक्षण वसूल कर लेती हैं और छोटी, हाशिए पर पड़ी जातियां खाली हाथ ही रहती हैं। यह व्यवस्था का ही दोष है। यदि दिल्ली विश्वविद्यालय में 100 साल के कालखंड में मुसलमान सहित उच्च जातियों के चेहरे ही कुलपति बने। दलित, आदिवासी को अवसर ही नहीं मिला। यही हाल बीएचयू, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का रहा है। 'भारत बंद' का मौजूदा मुद्दा ही नहीं था। यदि आरक्षित जातियां अन्य पिछड़ी और वंचित जातियों को आरक्षण के जरिए सम्पन्न और शिक्षित नहीं करना चाहतीं, तो यह दलितों और आदिवासियों के ही अंतर्विरोध हैं। वैसे इस बात का क्या औचित्य है कि आरक्षण के कारण जो दलित और आदिवासी संपन्न हो चुके हैं, उन्हें इस दायरे से बाहर न किया जाए।

विनिर्माण क्षेत्र में बदलती भारत की तस्वीर

भारत में आज भी देश की लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास कर रही है और वह अपने रोजगार के लिए सामान्यत: कृषि क्षेत्र पर निर्भर है तथा देश की कुल अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान केवल 16-18 प्रतिशत के आसपास बना रहता है। अब यदि देश की 60 प्रतिशत आबादी देश के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16-18 प्रतिशत तक का योगदान दे पा रही है तो स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र में गरीबी तो बनी ही रहेगी। परंतु, यह स्थिति अब धीरे धीरे बदल रही है क्योंकि हाल ही के वर्षों में भारत के विनिर्माण क्षेत्र का योगदान देश के सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों के नागरिक शहरी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही विनिर्माण इकाइयों में रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने के उद्देश्य से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। विनिर्माण क्षेत्र में कई ऐसे नए क्षेत्र भी उभरकर सामने आए हैं जिन क्षेत्रों में भारत में उत्पादन बहुत कम मात्रा में होता रहा है। उदाहरण के लिए रक्षा क्षेत्र, दवा क्षेत्र, सेमी-कंडक्टर निर्माण क्षेत्र एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का क्षेत्र आदि का वर्णन यहां प्रमुख रूप से किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में स्वदेशी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन की मात्रा 1.27 लाख करोड़ रुपए की रही है जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय 16.7 प्रतिशत अधिक है। यह भारत सरकार द्वारा देश में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी नीतियों और सरकार के प्रयासों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है। वर्तमान में रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली इकाईयों में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा संयुक्त रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान उक्त वर्णित उत्पादन में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 79.2 प्रतिशत का रहा है जबकि निजी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 20.8 प्रतिशत का रहा है। हर्ष का विषय तो यह भी है कि रक्षा के क्षेत्र में भारत में निर्मित किए जा रहे उत्पादों की अन्य देशों में भारी मांग निर्मित होती जा रही है और इन उत्पादों का निर्यात भी लगातार बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपए के मूल्य का निर्यात भारत से विभिन्न देशों में किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है और यह भारत में रक्षा के क्षेत्र में हुए कुल उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत है। निर्यात में यह वृद्धि न केवल वैश्विक रक्षा बाजार में भारत के बढ़ते पदचिन्हों को दर्शाती है, बल्कि आत्मनिर्भरता और नवाचार के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। भारत में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही के समय में कई रणनीतिक पहल भी केंद्र सरकार द्वारा की गई है, जैसे, मजबूत नीतिगत ढांचे को विकसित करना, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना, अनुसंधान एवं विकास कार्यों में पर्याप्त निवेश को बढ़ावा देना, आदि शामिल हैं। स्वदेशीकरण की नीति के अनुपालन का असर भी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन एवं निर्यात में हो रही भारी भरकम वृद्धि के रूप में दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में उपयोग होने वाले सैकड़ों उत्पादों के आयात पर रोक लगाकर इन उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने के निर्णय का असर भी अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने की नीति को लागू करने से देश में न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा बल्कि देश में आर्थिक प्रगति, तकनीकी उन्नति एवं रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा।

रक्षा क्षेत्र की तरह ही, हाल ही के समय में भारत ने उत्पादन के कई नए क्षेत्रों में प्रवेश किया है। कुछ वर्ष पूर्व तक दवा निर्माण के क्षेत्र में उपयोग किए जाने वालेएपीआई(ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडीयंट) नामक कच्चे माल का लगभग पूरे तौर पर चीन से आयात किया जाता था। परंतु, कोरोना महामारी के दौरान भारत को यह अहसास हुआ कि यदि चीन इस कच्चे माल का निर्यात भारत को करना कम कर दे अथवा बंद कर दे तो भारत में तो दवा उद्योग की इकाइयों में निर्माण कार्य ही ठप्प पड़ जाएगा। इसके बाद केंद्र सरकार ने एपीआई के उत्पादन को भारत में ही करने का फैसला लिया, आज स्थितियां पूर्णत: बदल गई है एवंएपीआईका निर्माण भारत में ही किया जाने लगा है। सम्भव है कि आगे आने वाले कुछ समय मेंएपीआईके निर्माण के क्षेत्र में भी भारत आत्मनिर्भरता हासिल कर लेगा। भारत आजएपीआईके उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया है एवं भारत की वैश्विकएपीआईउद्योग में 8 प्रतिशत की हिस्सेदारी बन गई है। आज भारत में 500 से अधिक प्रकार के विभिन्नएपीआईका उत्पादन किया जा रहा है। भारत मेंएपीआईका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय दवा उद्योग में तेज गति से वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है और आज यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में 1.72 प्रतिशत का योगदान देने लगा है एवं दवा उद्योग आज देश में रोजगार के करोड़ों अवसर निर्मित कर रहा है। भारतीय दवा उद्योग के वर्ष 2024 के अंत तक 6,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2030 तक 13,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। वर्ष 2013-14 के बाद से वर्ष 2021-22 तक भारतीय दवा निर्यात में 103 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई है। जेनेरिक दवाओं के वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत हो गई है, जिससे भारत को अब विश्व का फार्मेसी हब भी कहा जाने लगा है। केंद्र सरकारएपीआईके उत्पादन को भारत में बढ़ाने के उद्देश्य से एक समग्र एवं अनुकूल पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण करने पर जोर दे रही है। वर्ष 2020 में केंद्र सरकार नेएपीआईके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के लिए 6,940 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की थी। 35 सक्रिय दवा सामग्री का विनिर्माण, जोएपीआईका लगभग 67 प्रतिशत है, जिसके लिए भारत की 90 प्रतिशत आयात पर निर्भरता है, भारत में एपीआई योजना के तहत प्रारम्भ किया जा चुका है। वर्ष 2022 के बाद से भारत के फार्मास्यूटिकल व्यवसाय में जबरदस्त बदलाव आया है एवं भारत अब वॉल्यूम उत्पादक से एक मूल्यवान आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। दवाई के क्षेत्र में भारत अब वैश्विक स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को तैयार हो गया है।

लगभग 4 वर्ष पूर्व वैश्विक स्तर पर ऑटोमोबाइल विनिर्माण के क्षेत्र में सेमीकंडक्टर की उपलब्धतता में आई भारी कमी के चलते वाहनों के उत्पादन को भारी मात्रा में घटाना पड़ा था। परंतु, इसके बाद केंद्र सरकार ने यह बीड़ा उठाया था कि सेमीकंडक्टर के निर्माण के क्षेत्र में भारत को वैश्विक हब बनाया जाएगा। भारत में सेमीकंडक्टर का बाजार 2,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है जो वर्ष 2025 तक बढ़कर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने की सम्भावना है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं एवं सेमीकंडक्टर की विनिर्माण इकाईयां भारत में अधिक से अधिक संख्या में स्थापित हों इसके लिए भी केंद्र सरकार द्वारा गम्भीर प्रयास किए जा रहे हैं। भारत द्वारा सेमीकंडक्टर उत्पादन में वैश्विक नेतृत्व हासिल किया जा सकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो वैश्विक स्तर पर कई प्रौद्योगिकी फर्म से भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग लगाने के लिए सीधे ही चर्चा भी कर चुके हैं। काउंटरपोईंट रीसर्च और इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसीएशन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का सेमीकंडक्टर बाजार वर्ष 2026 तक लगभग 6,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा जो वर्ष 2019 के बाजार से तीन गुना अधिक होगा।

इसी प्रकार, भारत में आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भी बहुत अधिक शोध चल रहा है ताकि आगे आने वाले समय में पूरे विश्व में भारत ही इस क्षेत्र में अपनी सर्वश्रेष्ठता सिद्ध कर सके। इस क्षेत्र में कार्य करने वाली अमेरिका की कुछ बहुराष्ट्रीय कम्पनियां तो बैंगलोर में आकर इस क्षेत्र के इंजीनियरों की भर्ती हेतु प्रयास भी करती दिखाई दे रही हैं। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आज विनिर्माण क्षेत्र के कई ऐसे क्षेत्रों में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है जिनमे कभी भारत का प्रभुत्व ही नहीं रहा है। इससे भारत में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं ग्रामीण क्षेत्रों पर नागरिकों का दबाव भी कम हो रहा है।

- प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि कथा में जो रोमांच होता है, वही वाटिका, बाग और वन है और जो सुख होता है, वही सुंदर पक्षियों का विहार है। निर्मल मन ही माली है, जो प्रेमरूपी जल से सुंदर नेत्रों द्वारा उनको सींचता है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जे गावहिं यह चरित सँभारे। तेइ एहि ताल चतुर रखवारे॥
सदा सुनहिं सादर नर नारी। तेइ सुरबर मानस अधिकारी॥
जो लोग इस चरित्र को सावधानी से गाते हैं, वे ही इस तालाब के चतुर रखवाले हैं और जो स्त्री-पुरुष सदा आदरपूर्वक इसे सुनते हैं, वे ही इस सुंदर मानस के अधिकारी उत्तम देवता हैं॥

अति खल जे बिषई बग कागा। एहि सर निकट न जाहिं अभागा॥
संबुक भेक सेवार समाना। इहाँ न बिषय कथा रस नाना॥
जो अति दुष्ट और विषयी हैं, वे अभागे बगुले और कौए हैं, जो इस सरोवर के समीप नहीं जाते, क्योंकि यहाँ (इस मानस सरोवर में) घोंघे, मेंढक और सेवार के समान विषय रस की नाना कथाएँ नहीं हैं॥

तेहि कारन आवत हियँ हारे। कामी काक बलाक बिचारे॥
आवत ऐहिं सर अति कठिनाई। राम कृपा बिनु आइ न जाई॥
इसी कारण बेचारे कौवे और बगुले रूपी विषयी लोग यहाँ आते हुए हृदय में हार मान जाते हैं, क्योंकि इस सरोवर तक आने में कठिनाइयाँ बहुत हैं। श्री रामजी की कृपा बिना यहाँ नहीं आया जाता॥

(क्रमश:...)

भारतीय समाज की पहचान का प्रश्न

हिंदू की पहचान को लेकर बहस कभी बंद नहीं होती। इस बहस की शुरुआत भारत में अरबों, तुर्कों, मुगलों, पुर्तगालियों व अंग्रेजों के आने के बाद ही शुरू हुई। उससे पहले इस प्रश्न पर बहस नहीं होती थी। ये सभी विदेशी हमलावर या तो इस्लाम पंथ को मानने वाले थे या फिर ईसाई मत को मानने वाले थे। इन लोगों का सामाजिक-सांस्कृतिक व राजनीतिक जीवन इन दोनों में से किसी एक रिलीजन से समग्र रूप में संचालित होता था। उनकी पहचान के आधार भी निश्चित थे/हैं। जो व्यक्ति न्यू टैस्टामैंट में विश्वास करता है, ईसा मसीह को परमात्मा का पुत्र मानता है और चर्च में जाकर पूजा करता है, वह ईसाई है। इसी प्रकार इस्लाम पंथ को मानने वालों की पहचान भी निश्चित थी। जो व्यक्ति हजरत मोहम्मद को अल्लाह का रसूल मानता है, कुरान शरीफ को स्वीकारता है, मस्जिद में जाकर ईश्वर की इबादत करता है, वह इस्लाम पंथ को मानने वाला यानी मुसलमान है। जाहिर है जब एक निश्चित स्थान पर जाकर पूजा करता है तो वहां पूजा का कर्मकांड करवाने वाला भी चाहिए। इस्लाम पंथ में यह पूजा पाठ करवाने वाला मुल्ला मौलवी था। हर मस्जिद का एक मौलवी निश्चित था। उसे वायज, मीरवायज या इमाम कहा जाता था। इसी प्रकार ईसाई पंथ में पूजा का स्थान चर्च कहलाने लगा और वहां पूजा पाठ करवाने वाला व्यक्ति पादरी कहलाने लगा। लेकिन धीरे ईसाई पंथ में पूजा करवाने वाले लोगों की एक पूरी संगठित जमात खड़ी हो गई जिसका मुखिया पोप कहलाता है।

जब ये हमलावर हिंदुस्तान में आए तो सबसे पहले तो इन्होंने ईसाई पंथ व इस्लाम पंथ की तर्ज पर हिंदू को भी एक पंथ या रिलीजन ही मान लिया। उसके बाद ये लोग इस रिलीजन की पहचान करने का प्रयास करने लगे। हिंदू, जिसे इन्होंने रिलीजन समझ लिया था, उसकी पहचान समझने के लिए इन्होंने अपने अपने रिलीजन के पैमाने ही प्रयोग करने शुरू किए। लेकिन मामला पकड़ में नहीं आ रहा था क्योंकि भारतीय/हिंदू समाज को समझने के लिए जिन कारकों का प्रयोग किया जा रहा था, वे कारक ही गलत थे। यह संकट प्रत्यक्ष रूप में 1881 में सामने आया जब ब्रिटिश सरकार ने भारतीयों की कुल जनसंख्या की गणना करने के लिए एक नया विभाग स्थापित किया। जनगणना करवाना तो आसान काम ही था। लेकिन सरकार ने लगे हाथ मजहब/रिलीजन के आधार पर भी संख्या जान लेना जरूरी समझा। इसलिए जनगणना फार्म में रिलीजन को लेकर तीन कॉलम बनाए गए। हिंदू/मुसलमान/ईसाई। जाहिर है इससे स्पष्ट पता चल गया कि हिंदुस्तान में 712 के बाद से देश में कितने लोग मुसलमान या ईसाई बन गए हैं। एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) मूल के मुसलमानों के सात-आठ सौ साल के शासन के दौरान कुछ करोड़ भारतीय/हिंदू भी मतांतरित हो गए थे। अंग्रेजों के शासनकाल में कुछ भारतीय ईसाई भी हो रहे थे। जाहिर है उनकी संख्या भारतीयों/हिंदुओं के मुकाबले बहुत कम ही थी। सबसे बड़ी बात यह थी कि 1885 में कांग्रेस की स्थापना और 1905 में मुस्लिम लीग की स्थापना के बाद अंग्रेज शासकों ने मजहब के आधार पर कुछ सीमित संख्या में भारतीयों को भी स्थानीय प्रशासन में हिस्सेदारी देना शुरू कर दिया था। तब एटीएम मूल के मुसलमानों को जिनका शासन समाप्त हो चुका था, इस बात की चिंता हुई कि संख्या के कारण अब उनको सत्ता मिलने की संभावना कम हो गई थी। इसलिए सबसे पहला काम तो उन्होंने भारतीय मुसलमानों को भी अपने खेमे में जोडऩे या हांकने के प्रयास शुरू किए। लेकिन इसके बावजूद उनकी संख्या भला कितनी हो सकती थी? इसलिए दूसरा प्रयास किसी तरह से हिंदुओं की संख्या कम करने के प्रयास किए। लेकिन यह काम अंग्रेज शासकों की मदद के बिना नहीं हो सकता था क्योंकि अब सत्ता तुर्को-मुगलों के हाथ में नहीं थी, बल्कि इंग्लैंड के गोरों के हाथ में थी। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बकौल बाबा साहिब अंबेडकर, एटीएम मूल के आगा खान ने 1910 की जनगणना से पहले वायसराय को एक ज्ञापन दिया। उसके उपरांत ब्रिटिश सरकार ने जनगणना के प्रत्यक्ष और परोक्ष दो पैमाने निर्धारित किए। परोक्ष पैमाना तो यह था कि ब्रिटिश सरकार ने हिंदू समाज को सीमित करते हुए हिंदू केवल उसी को माना जो 'जाति व्यवस्था' से संचालित था, जबकि वस्तुस्थिति यह थी/है कि हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था से बाहर है। एक नई अवधारणा स्थापित करने का प्रयास पहली बार हुआ कि सभी भारतीय/हिंदू जाति व्यवस्था से संचालित हैं। मूल रूप से यह अवधारणा ही गलत है। सभी भारतीय/हिंदू जाति व्यवस्था से संचालित नहीं हैं। हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था से संचालित नहीं है। मध्य भारत, पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश समुदाय मसलन मिजो, कुकी, खासी, गारो, निशी, शेरदुखपेन, संथाल, गोंड, पश्चिमोत्तर भारत में भोट, बलती जाति व्यवस्था से संचालित नहीं हैं। इस निराधार अवधारणा को आधार बना कर जनगणना अधिकारियों ने हिंदू को पहचानने के लिए नई कसौटियां बनाईं। जो उन कसौटियों पर पूरा नहीं उतरता था उसे हिंदू की श्रेणी से बाहर कर दिया गया। इनमें से एक कसौटी ब्राह्मण को लेकर थी। जनगणना करने वाले अधिकारी घर में जाकर पूछते थे कि आपके जीवन के दैनिक व्यवहार, कर्मकांड में ब्राह्मण का कोई स्थान है? यदि उत्तर नकारात्मक है तो तुरंत उस व्यक्ति को हिंदू समाज से बाहर कर दिया गया। जो हिंदू समाज जाति व्यवस्था से संचालित है, उस हिंदू समाज में तो ब्राह्मण की स्थिति पर बात की जा सकती है, लेकिन जो हिंदू जाति व्यवस्था से संचालित ही नहीं है, उनकी व्यवस्था में ब्राह्मण की स्थिति का प्रश्न कहां पैदा होता है? वह कर्मकांड के लिए ब्राह्मण को क्यों आमंत्रित करेगा? ब्रिटिश सरकार ही नहीं, देश के समाजशास्त्री अच्छी तरह जानते हैं कि ब्राह्मण जाति का अस्तित्व हिंदू समाज के केवल उस हिस्से में है जो जाति व्यवस्था से बंधा है। हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था के अंतर्गत आता ही नहीं है, इसलिए वहां ब्राह्मण से जुड़े हुए जितने कर्म गिनाए गए हैं, उन सभी का अस्तित्व हो ही नहीं सकता। लेकिन ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने बड़ी होशियारी से जाति व्यवस्था से न संचालित होने वाले हिंदू समाज को गैर हिंदू ही घोषित कर दिया।

इन मानदंडों में से एक मानदंड यह भी था कि क्या आप हिंदू देवी-देवताओं की पूजा करते हैं? जनगणना विभाग ने 'गॉड्स' शब्द का इस्तेमाल किया है, लेकिन हम मान लेते हैं कि इसमें देवी-देवता दोनों ही शामिल हैं। लेकिन मूल प्रश्न है कि यह कैसे पता चलता है कि कोई देवी-देवता हिंदू है या नहीं? हिंदू गॉड्स की क्या अवधारणा है? शायद ब्रिटिश उपनिवेशवादियों का किसी से भी यह प्रश्न पूछते समय भाव यह रहा होगा कि जिन देवी-देवताओं की पूजा भारतीय/हिंदू करते हैं, उनकी पूजा आप भी करते हैं। यह ऐसा प्रश्न है जिसका कोई निश्चित उत्तर नहीं है। आज भी यदि गणना की जाए तो भारतीय/हिंदू समाज में पूजे जाने वाले देवी-देवताओं के नामों की ही सूची तैयार करनी हो तो उसकी संख्या करोड़ों को पार कर जाएगी। इस समाज में ग्राम देवता की अवधारणा है। यह अवधारणा पूरे भारतीय समाज में मोटे तौर पर अभी भी प्रचलित है। हर गांव का एक अपना देवता भी है। इसका अर्थ हुआ जितने गांव उतने देवता। यह मामला ऐसा है कि एक स्थान का हिंदू यह नहीं जानता कि पांच सौ कोस दूर रहने वाला हिंदू किस देवता की पूजा कर रहा है। बहरहाल, जाहिर है विभाजन का यह तरीका अवैज्ञानिक था, लेकिन ब्रिटिश अधिकारियों को इन प्रश्नों की चिंता नहीं थी।

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री
वरिष्ठ स्तंभकार

राशिफल

भाद्रपद कृष्ण पक्ष : पंचमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मानसिक दुविधा बनी रहेगी। यात्रा में कष्ट संभव है। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम-संतान मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। कार्यों में विघ्न-बाधा आएगी। स्वास्थ्य ठीकठाक है। प्रेम-संतान अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। चोट-चपेट से बचें। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क न लें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
प्रेम में तूतू-मैंमैं का संकेत हैं। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। मानसिक दवाब झेलेंगे। स्वास्थ्य दिक्कत में रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में परेशानी होगी स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान ठीकठाक।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कंधे में, नाक-कान व गला में परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान ठीका भरपूर सहयोग मिलेगा। व्यापार मध्यम रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। जुबान पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। एक भ्रामक-सा मन रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सिरदर्द, नेत्रपीड़ा, अज्ञात भय, खर्च की अधिकता, मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी नहीं है।

सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा का कार्यशाला आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ने भाजपा जिला कार्यालय पर

भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान जिला कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें मुख्य रूप से जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता रहे।

सदस्यता अभियान कार्यशाला कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री योगेश चौधरी ने किया। सदस्यता अभियान कार्यशाला में जिले के जिला इकाई मण्डल प्रभारी मंडलाध्यक्ष मोर्चा प्रकोष्ठ प्रकल्पों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने कहा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीति पार्टी भाजपा ने 2024 भाजपा सदस्यता अभियान के तहत भाजपा को और बड़ा करने के लिये सदस्यता अभियान 1 सितंबर को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शुरूवात करायेंगे जो कि 25 सितम्बर तक चलेगा दूसरा चरण 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा और प्रत्येक बूथ पर भाजपा ने 8800002024 टोल फ्री नम्बर पर मिस्ड कॉल करके प्रत्येक बूथ पर कम से कम 200 नये लोगों को सदस्यता दिलाने का कार्य करेंगे।

सदस्यता पार्टी का मूल आधार है सदस्यता सभी वर्गों के बीच जाकर करेंगे और सभी को पार्टी के विषय जानकारी देने का कार्य करेंगे। जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा भाजपा संगठन ने महापर्व सदस्यता अभियान की तैयारी को लेकर 24 अगस्त से 25 अगस्त तक सभी मंडलों की सदस्यता अभियान कार्यशाला आयोजित की जायेंगी। संगठन सदस्यता अभियान को शहर नगर गाँवों के बूथों पर चलाकर जिले के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पूरा करेंगे।

इस अवसर पर मुख्यरूप से दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर OBC आयोग सदस्य बिजेंद्र भाटी जिला महामंत्री योगेश चौधरी सेवानन्द शर्मा दीपक भारद्वाज मनोज गर्ग धर्मेन्द्र कोरी किसान मोर्चा क्षेत्रीय अध्यक्ष तेज़ा गुर्जर नगरपालिका अध्यक्ष गीता पंडित राकेश राणा मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य रवि जिन्दल युवा मोर्चा अध्यक्ष राज नागर गोविन्द चौधरी अनिल चौधरी डॉक्टर अशोक नागर पूजा गंगानिया जिला उपाध्यक्ष पवन रावल सतेंद्र नागर पवन नागर जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी विकास चौधरी रिंकु भाटी पंकज रावल पवन त्यागी महेश शर्मा मनोज भाटी संजय भाटी इन्द्र नागर सुनील शर्मा कोट राजीव सिंघल अमित शर्मा रजनी तोमर विमल पुंडीर विचित्र तोमर महेन्द्र नागर आदि सैकड़ों कार्यकर्ता सदस्यता अभियान कार्यशाला में उपस्थित रहे।

भाजपा नेता के बेटे ने बेच दी सरकारी जमीन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सुत्याना गांव के पास सरकारी जमीन पर कुलेसरा निवासी भाजपा नेता

के बेटे तुलसी नायक ने कब्जा कर लिया है।

उक्त भाजपा नेता का बेटा ग्रेटर नोएडा के कुलेसरा गांव का निवासी है। बताया जाता है कि उक्त भाजपा नेता के बेटे ने करोड़ों रूपये मूल्य की सरकारी जमीन पर कब्जा कर उसे मोटे दाम पर बेच दिया है। हालांकि इस पूरे प्रकरण की जांच प्राधिकरण ने शुरू कर दी है। इसमें भाजपा युवा मोर्चा के एक पूर्व जिलाध्यक्ष भी शामिल है। दोनों ने मिलकर सरकारी जमीन पर कब्जा कर बेचने का काम किया है।

एक तरफ उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपाईयों को पाठ पढ़ाकर उन्हें हद में रहने की सलाह देते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के पाठ का इन भाजपाईयों पर कोई असर नहीं पड़ता है। इस बात की चर्चा पूरे क्षेत्र में तेजी के साथ हो रही है। अब देखना यह है कि भाजपा नेता के बेटे के ऊपर प्राधिकरण का डंडा चलता है या नहीं। यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

जब इस संबंध में वर्क सर्किल-3 के वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम चौधरी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

नंगली वाजिदपुर में आज अखंड कीर्तन, कल भंडारा

नोएडा (चेतना मंच)। गाँव नंगली वाजिदपुर के खेड़ा देवत पर प्रत्येक वर्ष की तरह सभी ग्रामवासियों के सहयोग होने वाले भंडारे का आयोजन 25 अगस्त दिन रविवार को होगा।

आज सुबह से ही 24 घंटे की अखंड कीर्तन चल रहा है जिसमें ओम् नमो शिवाय मंत्र का जाप चल रहा है।

जिसमें कल सुबह 10 बजे हवन होगा तथा दोपहर बाद भंडारा किया जाएगा।

श्री राम हनुमान सेवा समिति का 108वीं हनुमान चालीसा पूर्ण

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम हनुमान सेवा समिति के सभी भक्तजनों को जानकर बहुत खुशी होगी कि 20 अगस्त 2024, दिन मंगलवार को श्री राम हनुमान सेवा समिति द्वारा 108वीं हनुमान चालीसा मेंहदीपुर बालाजी,

मेंहदीपुर बालाजी में हुआ उद्यापन व भंडारा

राजस्था में सम्पन्न हुई। श्री राम हनुमान सेवा समिति के सभी भक्तजनों ने नोएडा से बस द्वारा मेंहदीपुर बालाजी, राजस्थान पहुंच कर बालाजी का उद्यापन व भण्डारा किया।

श्री राम हनुमान सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुक्तानन्द प्रधान ने बताया कि नोएडा के सभी क्षेत्राासियों एवं मित्रगणों का सहयोग मिलता रहा है और मिलता रहेगा। जिसमें संस्थापक अनिल मास्टर ने बताया कि ये हनुमान चालीसा की मुहीम आगे भी ऐसे ही चलती रहेगी।

108वीं हनुमान चालीसा के शुभ अवसर पर संरक्षक पूर्व मंत्री राजेन्द्र यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक यादव, राष्ट्रीय सचिव रामनिवास यादव, श्रीमती मनोज शर्मा, ग्रेटर

नोएडा अध्यक्ष शक्ति सिंह गुर्जर, नोएडा अध्यक्ष बब्लू यादव, आदेश नम्बरदार, श्रीमती निशा सिंह, रवि विधायक, कोषाध्यक्ष राकेश यादव, सतपाल यादव, धर्मन्द्र नन्दा, साहिल शर्मा, दीपक शर्मा, भूलेराम, विनोद शर्मा, सुनीलदत्त शर्मा, श्रीमती पूर्णिमा सिंह, रोहित शर्मा सोरखा, अजय यादव आदि सभी भक्तजन मौजूद रहे।

मोहियापुर गांव में लूट करने वाले बदमाश मुठभेड़ में घायल

नोएडा (चेतना मंच)। मोहियापुर गांव में बीते दिनों लूट की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों की पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। पकड़े गए बदमाशों से लूटे गए रुपए, पिस्टल, तीन तमंचे बरामद हुए हैं।

सेंट्रल जोन के एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि थाना सेक्टर-142 पुलिस डंपिंग यार्ड के पास संदिग्ध वाहन व व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने कार सवार चार युवकों को जांच के लिए रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर युवक रुकने के बजाय भागने लगे। पुलिस ने संदेह के आधार पर उक्त कार का पीछा किया। खुद को घिरा देखकर कार से उतरे चार युवकों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी जबकि दो अन्य को पुलिस ने दबोच लिया। एडीसीपी ने बताया कि मुठभेड़ में दीपक कुमार, कनोज उर्फ शाका को गोली लगी है। घायल बदमाशों के साथी सचिन उर्फ चतरू व अजीत को गिरफ्तार कर लिया गया। इनका एक साथी मौके से गाड़ी लेकर फरार हो गया। पकड़े गए बदमाशों के पास से एक पिस्टल, तीन तमंचे, लूट की घटना से संबंधित 112600, वादी का आधार कार्ड, पैन कार्ड बरामद हुए हैं।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों ने 11 अगस्त की रात्रि को मोहियापुर गांव में लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। पकड़े गए बदमाशों के फरार साथी की तलाश की जा रही है। उनके आपराधिक इतिहास को भी खंगाला जा रहा है।

क्रेडिट कार्ड पर लुभावने ऑफर देकर जाल में फंसाता था ठग

नोएडा (चेतना मंच)। बैंककर्मी बनकर क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक जालसाज को थाना साइबर क्राइम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी जस्ट डायल पर कॉल कर डीएसए से क्रेडिट कार्ड धारकों का डाटा ले लेता था और उन्हें लुभावने ऑफर देकर उनके साथ जालसाजी करता था।

साइबर क्राइम थाना प्रभारी ने बताया कि 23 फरवरी को एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे फोन कर खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बताया। उसने उसके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाए जाने के नाम पर उससे गोपनीय जानकारी ले ली और 760205 रुपए की धोखाधड़ी की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल की। विवेचना के दौरान गणेश नगर एक्सटेंशन शकरपुर दिल्ली निवासी राहत चौधरी का नाम प्रकाश में आया। मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी राहत चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में राहत चौधरी ने बताया कि वह जस्ट डायल पर कॉल कर डीएसए से क्रेडिट कार्ड धारकों का डाटा ले लेता था। डाटा लेने के बाद वह लोगों को कॉल कर उनके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने सहित अन्य लुभाने ऑफर देकर उनसे ओटीपी ले लेता था। इसके बाद उनके क्रेडिट कार्ड के पैसों को ब्लू स्टोन वॉलेट में ऐड करके ज्वेलरी आदि खरीद लेता था। धोखाधड़ी की घटना को अंजाम देने के बाद वह उक्त सिम को तोड़कर फेंक देता था। पकड़े गए राहत चौधरी ने ठगी व धोखाधड़ी की कई वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना 16/2024 — निविदा सूचना — दिनांक 20.08.2024

विवरणः SPARMV/ART के लिए 01 बैटरी के साथ ड्रोन कैमरा सेट।

निविदा सं.	मात्रा	ई.म.डी.	निविदा खुलने की तिथि
13245650	1 सेट	₹ 28,900/-	16.09.2024

नोटः 1. उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नही कि जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अंतर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसयिल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है, तो उस पर विचार नही किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5. ड्राइंग की कीमत के लिये विनिधान जेड 650-एवं बयाना राशि (ई.म.डी) जमा करने के लिये विनिधान विविध भंडार 00844517 है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1486/24 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/टी.आर.एस./पूर्वोत्तर रेलवे, लोको शेड, गोण्डा द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है:-

क्रम सं.-01, निविदा सूचना संख्याः LS-GD-AL-TRANSF-24-R, कार्य का नामः विद्युत लोको के 5400 केवीए ट्रान्सफार्मर (एल्यूमिनियम वाईडिंग) के रिहाबिलिटेशन का कार्य, दो वर्षो हेतु। अनुमानित लागतः ₹ 1,28,40,462.44, निविदा की अवधिः 24 माह, अग्रिम धनराशिः ₹2,14,200/-,

• ऑफर अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 14-09-2024, 12:00 बजे। • इस ई-निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हतायें तथा नियम एवं शर्तें, रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। • निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

स.मं.वि. इन्जी./टी.आर.एस., लोको शेड, मुजाधि/विद्युत-113 गोण्डा

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पृष्ठ एक के शेष....

सफ़ाईगिरी और 'नो थू-थू'....

विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने विभिन्न समस्याओं का निरीक्षण किया तथा कूड़ा उठाया। इस दौरान सेक्टरवासियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसके बाद बारातघर में आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने प्राधिकरण के अधिकारियों को सेक्टर की समस्याओं से अवगत कराया।

वहीं नोएडा प्राधिकरण द्वारा सेक्टर-62 के टीओटी मॉल मार्केट में आज सुबह 'नो थू-थू' अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान जगह-जगह पान व गुटखा खाकर थूकने से पड़े निशानों को धोया गया। इस दौरान प्राधिकरण के अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों को सड़कों पर न थूकने की शपथ दिलाई।

मारपीट कर सोने की ...

मारपीट के दौरान चारों ने उस से सोने की चेन, मोबाइल फोन और 20 हजार रुपए लूट लिए। पीड़ित के मुताबिक यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराई गई सीसीटीवी फुटेज की जांच और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कोर्ट में जमानत देने...

जिला न्यायालय आया था। उसने अपनी बाइक न्यायालय के गेट नंबर 2 के बाहर खड़ी कर लॉक कर दी। इसके बाद वह अधिवक्ता के चेंबर में चला गया। करीब 3 घंटे बाद जब वह अपना काम करके न्यायालय के गेट नंबर 2 से बाहर आया तो उसकी बाइक गायब थी। उसने आसपास अपनी बाइक की काफी तलाश की लेकिन बाइक नहीं मिली। उसने बाइक चोरी होने की सूचना पुलिस को दी लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। पीड़ित के मुताबिक उसने 6 अप्रैल को रजिस्टर्ड डाक के द्वारा एक लिखित शिकायत पुलिस आयुक्त के यहां भी प्रेषित की। इसके बावजूद भी बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

ग्रेटर नोएडा में ओपन बार....

पुलिस ने बताया कि इसके तहत सेंट्रल नोएडा जोन के विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक स्थान पर मदिरापान कर रहे 216 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस के इस कार्रवाई से सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

ऑटो में महिला से....

पुलिस ने बताया कि बदमाश की पहचान कुलदीप ऊर्फ सोनू के रूप में हुई है। फेस-2 थाने की पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी. इस दौरान कुलेसरा की तरफ से आ रहे एक ऑटो को रोकने का इशारा किया, लेकिन वह पुलिस को देखकर रुका नहीं और भागने लगा. जिसके बाद शक होने पर पुलिस ने ऑटो का पीछा किया। इसी दौरान ऑटो एक पुलिया से टकरा गया।

इसके बाद ऑटो चालक ने उतर कर पुलिस पर फायरिंग कर दी और भागने भी लगा. जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में ऑटो चालक के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया. पुलिस ने उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है।

एडीसीपी सेंट्रल नोएडा ने बताया कि बदमाश की पहचान कन्नौज निवासी कुलदीप ऊर्फ सोनू के रूप में हुई है। कुलदीप सूतियाना गांव में बने पार्किंग में रह रहा था। उस पर आरोप है कि उसने एक महिला सवारी को ऑटो में बैठकर सूनसान जगह पर लेकर जाकर हथियारों के बल पर छेड़छाड़ व दुष्कर्म करने का प्रयास किया था।

महिला की शिकायत पर पुलिस कुलदीप की तलाश कर रही थी, जिसे मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर किया गया है. एडीसीपी ने बताया कि कुलदीप शातिर अपराधी है. उसके खिलाफ आधा दर्जन से ज्यादा मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज है. कन्नौज थाने में उसके खिलाफ मारपीट और दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज था. जिसके बाद वह भाग कर नोएडा गया था और यहीं रहने लगा था. फिलहाल पुलिस उसके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी के लिए छानबीन कर रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

हुंडई अल्काजार की बुकिंग शुरू, टोकन अमाउंट 25,000 रुपए तय

नई दिल्ली। साउथ कोरिया की वाहन निमार्ता कंपनी हुंडई मोटर्स एसयूवी सेगमेंट में अल्काजार को लॉन्च करती है। कंपनी अब इसके फेसलिफ्ट वर्जन को बाजार में उतारने की योजना बना रही है। इससे पहले ही कंपनी ने इसकी बुकिंग करनी शुरू कर दी है। इस वर्जन में आपको कई शानदार फीचर्स मिलने वाले है। इस नई एसयूवी के लिए बुकिंग को ग्राहकों के लिए 22 अगस्त से ही खोल दिया गया है। कंपनी ने इसकी बुकिंग के लिए टोकन अमाउंट 25,000 रुपये तय किया है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड आने वाली 9 सितंबर को अपनी इस एसयूवी को लॉन्च करने जा रही है, जिसके बाद ही इसकी डिलीवरी कंपनी द्वारा शुरू की जाएगी।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार का भारतीय रुपया तीन पैसे की तेजी के साथ 83.90 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी पूंजी के ताजा प्रवाह से रुपया शुरूआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे मजबूत होकर 83.88 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तेल की कीमतों में उल्लेखनीय सुधार रुपये के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है, क्योंकि भारत में तेल का आयात काफी अधिक है।

जोमैटो ने इंटर सिटी डिलीवरी सर्विस की बंद

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपनी इंटर सिटी डिलीवरी सर्विस लेजेंड्स को तत्काल बंद करने का फैसला किया है। लेजेंड्स सेवा के तहत जोमैटो कुछ चुनिंदा शहरों के मशहूर उत्पादों को दूसरे शहरों में आपूर्ति करती थी। कंपनी ने 2 साल पहले जब इस सेवा की शुरूआत की थी तो कहा था कि इस क्षेत्र में काफी संभावनाए हैं। कंपनी ने इसे इसी साल अप्रैल में सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद जुलाई में फिर से इसे शुरू किया गया था। जोमैटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने इस फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि जोमैटो लेजेंड्स को बाजार के अनुकूल नहीं पाए जाने पर हमने इसे तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

बिहारशरीफ। जिले के एकंगरसराय थानाक्षेत्र के जगाई गांव के समीप शुक्रवार की दोपहर में अज्ञात वाहन ने बाईक सवार युवक को रौंद दिया जिससे युवक की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। मृतक की पहचान चंडी थानाक्षेत्र के ग्यासपूर गांव निवास अजित बिंद के रूप में की गयी है।घटना के संबंध में बताया जाता है कि उक्त युवक शुक्रवार को इस्लामपुर से अपने घर बाईक से लौट रहा धा वहीं साइड लेने के क्रम अज्ञात वाहन नें उसे रौंध दिया फलत :उक्त युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे ईलाज के लिए स्थानीय क्लीनिक में भर्ती कराया जहां ईलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी।घटनाक्रम की जानकारी एकंगरसराय थाना पुलिस को दी गयी पुलिस सूचना पाकर एकंगरसराय थाना पुलिस घटनास्थल पर जाकर घटनाक्रम क। जायजा लेते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया है।

70 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म, आरोपी हिरासत में

भागलपुर। पुलिस जिला नवगछिया के इस्माईलपुर थाना क्षेत्र में एक 70 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के संबंध में पीड़िता के पोता द्वारा बताया गया कि जब मेरी दादी मां गुरुवार संध्या चार साढ़े चार बजे के तकरीबन शौच के लिए मैदान की तरफ गई, तो पूर्व से घात लगाए वहां बैठे छैला मंडल पिता स्वर्गीय पीताम्बर मंडल ने दादी के साथ जोर जबरदस्ती करते हुए दुष्कर्म घटना को अंजाम दिया। पीड़ित पक्ष का कहना था कि जब मेरी दादी उसका विरोध और शोर मचाने लगी तो कुछ ग्रामीण आवाज सुनने पर खेत की ओर दौड़े तो आरोपी ने भागने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीणों द्वारा उसको धर दबोचा गया।

जीएसटी स्लैब में बदलाव करने पर नहीं बन पाई सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। जीएसटी के कम स्लैब की मांग के दौरान विपक्ष शासित पश्चिम बंगाल और कर्नाटक समेत कई राज्य जीएसटी के मौजूदा चार स्लैब में बदलाव करने के पक्ष में नहीं हैं। उनका कहना है कि स्लैब कम करने की कोई आवश्यकता नहीं है। बता दें कि बीमा, ऑनलाइन गेमिंग, रेस्तरां और पेय उत्पादों पर जीएसटी दरों को कम करने के लिए मंत्रिस्तरीय पैनल का गठन किया गया था। स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी की मौजूदा 18 फीसदी की दर को कम करने की मांग को युक्तिसंगत बनाने पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) की पहली बैठक के दौरान उठी, लेकिन इस मामले को अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति को भेज दिया गया है, जो अपना विश्लेषण प्रस्तुत करेगी। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जो कि मंत्री समूह के संयोजक हैं, ने बैठक के बाद कहा कि जीओएम के कुछ सदस्य मांग कर रहे हैं कि जीएसटी के तहत कर स्लैब में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। इस पर और चर्चा होगी और उसके बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। जीएसटी परिषद की बैठक 9 सितंबर को होने वाली है, जिसमें दरों को तर्कसंगत बनाने का मुद्दा उठने की संभावना है। स्लैब को चार से घटाकर तीन करने पर चर्चा हुई, लेकिन इस मामले पर आम सहमति नहीं बन पाई। वर्तमान में चार मुख्य स्लैब हैं 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि उन्होंने सुझाव दिया है कि स्लैब में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए और जीएसटी परिषद के समक्ष एक प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायर गौड़ा ने कहा कि जीएसटी मोटे तौर पर स्थिर हो गया है। जो चीज सुचारू रूप से चल रही है, उसमें व्यवधान क्यों डाला जाए। स्लैब को चार से घटाकर तीन करने के लिए 12 और 18 स्लैब को मिलाकर उन्हें 15-16 फीसदी के आसपास लाना होगा। इसका मतलब यह होगा कि 12 फीसदी ब्रैकेट में आने वाले उत्पाद जिसमें मक्खन, घी, कंप्यूटर, मोबाइल, छाते और 7,500 प्रति रात तक के कमरे के किराए वाले होटल आदि शामिल हैं, पर अधिक कर लगेगा। इसके अलावा सबसे कम स्लैब में दर बढ़ाने की आवश्यकता हो सकती है, जो राजनीतिक रूप से स्वीकार्य नहीं हो सकता है।

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर लगाया 90 लाख का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया पर 90 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। विमानन नियामक ने एयरलाइन पर ये जुमार्ना नॉन क्वालिफाइड क्रू के साथ उड़ान संचालित करने के लिए लगाया है। विमानन नियामक की ओर से शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार एयर इंडिया पर नॉन क्वालिफाइड क्रू के साथ उड़ान संचालित करने के लिए 90 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। इसके अलावा डीजीसीए ने इस चूक के लिए एयर इंडिया के परिचालन निदेशक तथा प्रशिक्षण निदेशक पर क्रमशः 6 लाख रुपये और 3 लाख रुपये का भी जुमार्ना लगाया है। डीजीसीए ने जारी विज्ञप्ति में एयरलाइन से संबंधित पायलट को आगाह किया है कि भविष्य में ऐसी घटना न हो। दरअसल, एयर इंडिया लिमिटेड ने एक नॉन-ट्रेनर लाइन कैप्टन द्वारा संचालित उड़ान का संचालन किया, जिसे एक नॉन-लाइन-रिलीज प्रथम अधिकारी के साथ जोड़ा गया था। इसको नियामक ने एक गंभीर शेड्यूलिंग घटना के रूप में देखा है, जिसके गंभीर सुरक्षा परिणाम हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 10 जुलाई, 2024 को एयर इंडिया एयरलाइन द्वारा प्रस्तुत स्वैच्छिक रिपोर्ट के माध्यम से घटना के संज्ञान में आने के बाद नियामक ने एयरलाइन के परिचालन की जांच की, जिसमें दस्तावेजों की जांच और शेड्यूलिंग सुविधा की मौके पर जांच शामिल थी। डीजीसीए ने जांच के उपरांत ये कार्रवाई की है।

सेबी ने किया अनिल अंबानी को 05 साल के लिए बैन, 25 करोड़ का जुर्माना भी

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फंड की हेराफेरी के मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी को शेयर बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। बाजार नियामक एजेंसी ने अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। इसके साथ ही उनके किसी लिस्टेड कंपनी में डायरेक्टर रहने पर भी पाबंदी लगाई गई है। सेबी ने शुक्रवार को उद्योगपति अनिल अंबानी सहित 24 अन्य संस्थाओं पर पूंजी बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। सेबी ने अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुमार्ना के साथ किसी भी लिस्टेड कंपनी में डायरेक्टर पद के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। बाजार नियामक ने जिन लोगों को प्रतिबंधित किया है वे सभी व्यवसायी किसी भी सूचीबद्ध कंपनी से नहीं जुड़ सकेंगे। इसके अलावा बाजार नियामक ने रिलायंस होम फाइनेंस (आरएचएफएल) के पूर्व प्रमुख अधिकारियों समेत 24 अन्य एंटीटीज को बैन किया है। इन सभी पर अलग-अलग जुमार्ना लगाया गया है। रिलायंस होम फाइनेंस को 6 महीने के लिए बैन किया है और 6 लाख रुपये का जुमार्ना लगा है। सेबी की ओर से जारी 222 पेज के फाइनल ऑर्डर के मुताबिक जांच में पता चला कि आरएचएफएल के अधिकारियों की सहायता से अनिल अंबानी ने पैसों की हेराफेरी की। उन्होंने फंड का खुद इस्तेमाल किया लेकिन दिखाया कि ये फंड लोन के तौर पर दिया गया है।

आफिसों में अदाणी नियुक्त करेंगे ऑडिटर्स व सीईओ

एजेंसी

नई दिल्ली। अरबपति गौतम अदाणी अपने फैमिली ऑफिसों के लिए एक बड़ी वैश्विक कंपनी के ऑडिटर्स नियुक्त करने और एक सीईओ रखने की योजना बना रहे हैं। इससे उनके कामकाज में वैसी पारदर्शिता आ सकेगी, जैसी आमतौर पर लिस्टेड कंपनियों में होती है। यह खबर सूत्रों के हवाले से आई है। माइनिंग से लेकर मीडिया तक के व्यापारिक साम्राज्य के फाउंडर अपने फैमिली ऑफिसों के खातों की ऑडिट के लिए बड़ी छह अकाउंटिंग फर्मों में से दो से बात कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, लगभग पांच लोगों की एक टीम के लिए नियुक्ति की जा रही है, जिसका नेतृत्व एक सीईओ और एक चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर करेंगे। यह टीम पहले समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी, जुगेशिंदर सिंह को रिपोर्ट करेगी और बाद में गौतम अदाणी को रिपोर्ट करेगी। बता दें कि अदाणी पिछले साल हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद अपनी छवि सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। बढ़ी हुई पारदर्शिता से उनके समूह की साख भी मजबूत होगी, खासकर जब वह अपने वैश्विक विस्तार और निवेशकों को आकर्षित करने में जुटे हैं। सूत्रों के मुताबिक, नया फैमिली ऑफिस मैनेजमेंट अदाणी समूह की लिस्टेड कंपनियों में संस्थापकों की हिस्सेदारी की देखरेख करेगा, साथ ही उन वित्तीय रिपोर्टों को तैयार करेगा जो परिवार अतिरिक्त पारदर्शिता के लिए प्रस्तुत करना चाहता है।

सोना, सस्ता चांदी में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट आई है। वहीं चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने के भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये के स्तर से नीचे आ कर 72,960 रुपये से लेकर 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67 हजार रुपये के स्तर से लुढ़क कर 66,940 रुपये से लेकर 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं आने की वजह से दिल्ली सराफा बाजार में ये चमकीली धातु आज भी 86,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

टोल प्लाजा पर नहीं रुकेगी गाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों में बदलाव करके फास्टैग में बैलेंस कम होने के झंझट को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। आरबीआई के इस नए नियम की वजह से अब बैलेंस कम होने के कारण टोल प्लाजा पर गाड़ियों के रुकने की आशंका खत्म हो जाएगी और गाड़ियां फरार्टे से टोल प्लाजा को पार कर जाएंगी। आरबीआई की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक केंद्रीय बैंक ने फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल कर लिया है। ऐसा हो जाने से इन दोनों पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में निर्धारित लिमिट से पैसा कम होते ही ग्राहक के बैंक अकाउंट से जरूरत के मुताबिक पैसा खुद इन पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में आ जाएगा।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

एजेंसी

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को मामूली तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे सकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 33.02 अंक बढ़कर 81,086.21 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.65 अंक ऊपर आकर 24,823.15 के पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान वाहन क्षेत्र के शेयर ऊपर आये। वहीं इंट्रा डे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 81,231.49 के उच्च और 80,883.26 के निचले स्तर पर पहुंचा जबकि निफ्टी 24,858.40 के उच्च और 24,771.65 के निचले स्तर पर पहुंचा। शुरूआत करोबार की बात करें तो सेंसेक्स 81,165.65 पर और निफ्टी-50 24,845.40 के लेवल पर खुला। अमेरिक में सितंबर में फेड की तरफ से दर में कटौती तकरीबन निश्चित है। इसी को देखते हुए आज ग्लोबल मार्केट में निवेशकों ने भी ज्यादा कारोबार नहीं किया। बाजार में आज ज्यादातर क्षेत्रों में गिरावट रही। निफ्टी में वाहन क्षेत्र को छोड़कर सभी क्षेत्रों में गिरावट रही। सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में बजाज ऑटो सबसे ऊपर रहा। उसके शेयर 4.74 फीसदी बढ़कर 10,384.45 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए जबकि, इंट्रा डे ट्रेड के दौरान इसके शेयर 10,444.35 के उच्चतम स्तर पर पहुंचे थे। बजाज ऑटो के अलावा, सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में कोल इंडिया, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स और सनफार्मा के शेयर रहे। बाजार में आज सबसे बड़ी गिरावट रियल्टी के क्षेत्र में रही। इससमें कुल 2.43 फीसदी की गिरावट रही जबकि, टॉप लूजर्स में में नंबर-1 पर एलटीआई माइंडट्री के शेयर रहे। इसके अलावा, विप्रो, ओएनजीसी, एशियन पेंट्स और टाइटन के शेयरों को भी सबसे अधिक नुकसान हुआ। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिकी शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 1,371.79 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। इससे पहले आज सुबह कारोबार की शुरूआत सकारात्मक रुख के साथ की, लेकिन बाद में वैश्विक बाजारों में नरम रुख और आईटी शेयरों में बिकवाली के बीच इनमें गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 37.32 अंक की बढ़त के साथ 81,090.51 अंक पर खुला।

पुलिस कर्मियों को दुर्घटना पर 2.30 करोड़ रुपये की मिलेगी सहायता

एजेंसी

पटना। बिहार पुलिस के सेवारत कर्मियों को अब दुर्घटना पर 2.30 करोड़ रुपये तक की सहायता मिलेगी। पहले जहां व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर 5 से 20 लाख तक था, जो इस साल जुलाई में बढ़कर 50 लाख तक हुआ था उसे इस विशेष सैलरी पैकेज में बढ़ाकर 1.5 करोड़ कर दिया गया है। साथ ही कई अतिरिक्त लाभ भी दिए जा रहे हैं। सब मिलाकर 2.30 करोड़ तक मिलने की सम्भावना है। इसके अतिरिक्त, हवाई दुर्घटना में मृत्यु पर 1.5 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कवर भी प्रदान किया जाएगा। इस बाबत पत्रकार वार्ता में एआईजी वेलफेयर विशाल शर्मा ,उपेन्द्र प्रसाद (पुलिस अधीक्षक, कार्मिक 1), शशि शेखर पुलिस अधीक्षक कार्मिक दो ने बताया कि समझौते को अंतिम रूप देने के लिए एक व्यापक सलाहकारी प्रक्रिया अपनाई गयी, जिसमें बिहार पुलिस के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों, बिहार पुलिस एसोसिएशन और बिहार पुलिस मेन्स एसोसिएशन के सदस्यों से परामर्श किया गया। इस सैलरी पैकेज के माध्यम से न केवल सेवारत पुलिस कर्मी, बल्कि सेवानिवृत्त कर्मी और उनके परिवारजन भी लाभान्वित होंगे। पहले जहां व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर 5 से 20 लाख तक था, जो कि इस साल जुलाई में बढ़कर 50 लाख तक हुआ था उसे इस विशेष सैलरी पैकेज में बढ़ाकर 1.5 करोड़ कर दिया गया है और कई अतिरिक्त लाभ भी दिए जा रहे है, जो सब मिलाकर लगभग 2.30 करोड़ तक मिलने की सम्भावना है। इसके अतिरिक्त, हवाई दुर्घटना में मृत्यु पर 1.50 करोड़ का अतिरिक्त कवर भी प्रदान किया जाएगा। कर्मियों के लिए स्थायी पूर्ण विकलांगता पर 1.50 करोड़ और आंशिक विकलांगता के लिए 1.50 करोड़ तक का कवर प्रदान किया जाएगा, जो विकलांगता के प्रतिशत पर आधारित होगा। आतंकवाद विरोधी या नक्सल विरोधी अभियानों में शामिल कर्मियों को 1.50 करोड़ का कवर मिलेगा। प्लास्टिक सर्जरी, बर्न्स, इंपोर्टेड दवाओं की लागत, एयर एम्बुलेंस कवर, और कोमा के बाद मृत्यु (48 घंटे बाद) के लिए 10 लाख तक का अतिरिक्त कवर प्रदान किया जाएगा। इस वर्ष पहली बार 20 लाख का टर्म लाइफ इंश्योरेंस भी शामिल किया गया है, जो आत्महत्या को भी कवर करेगा (बशर्ते 12 महीने से अधिक की सेवा हो)। शून्य बैलेंस खाता, मुफ्त डेबिट और क्रेडिट कार्ड, लॉकर शुल्क पर 50 प्रतिशत की छूट और कम से कम ब्याज दर पर लोन सुविधाएं शामिल हैं। कर्मियों को पर्सनल लोन, वेतन ओवरड्राफ्ट (3 लाख तक) और डीमैट खाते की वार्षिक रख-रखाव शुल्क की पूरी छूट भी मिलेगी।

फर्जी डिग्री पर बहाल चार शिक्षको पर प्राथमिकी

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिले में फर्जी प्रमाणपत्र पर बहाल हुए शिक्षकों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में फिर निगरानी डीएसपी राजेश कुमार ने चार शिक्षकों के खिलाफ बंजरिया थाना में एक और दूसरा प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। फर्जी प्रमाणपत्र पर बहाल तीन शिक्षिकाओं और एक शिक्षक के ऊपर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके पहले छह फर्जी शिक्षकों के खिलाफ बंजरिया थाना में बीते जुलाई महीने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। निगरानी डीएसपी ने बंजरिया थाना में जिन शिक्षकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। उनमें उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमवा के शिक्षक मो. ज्याउद्दीन और शिक्षिका इकरा फातिमा, जटवा के मध्य विद्यालय उर्दू की शिक्षिका नइमा प्रवीण और सिसवनिया के उत्क्रमित मध्य विद्यालय की शिक्षिका साबरा खातून शामिल हैं। बंजरिया थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने बताया कि निगरानी विभाग के अधिकारी के तरफ से आवेदन मिला है। आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है,कि बीते जुलाई माह में भी निगरानी विभाग पटना के डीएसपी राजेश कुमार ने बंजरिया थाना पुलिस को आवेदन देकर बंजरिया प्रखंड के ही दो शिक्षक व चार शिक्षिकाओ के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया था।

प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

भागलपुर। जिले के जगदीशपुर प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों में प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर शुक्रवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जगदीशपुर तथा मध्य विद्यालय जगदीशपुर में विक्रम तथा प्रज्ञान रोवर का मॉडल निर्माण कर चांद पर उतरने का काल्पनिक चित्रण किया गया साथ ही रंगोली, चित्रांकन, भाषण तथा निबंध प्रतियोगिता आयोजित किया गया। इस अवसर प्रधानाध्यापक आशुतोष चन्द्र मिश्र ने कहा कि यह दिवस युवा में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में शिक्षक बिन्दु कुमारी, अंजुम रागीब अहसन, नीरज कुमार, प्रियम, रोशनी सहित सभी छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

भारत को दुनिया का सिरमौर बना देगा : शिवराज

एजेंसी

पटना (बिहार)। राजधानी पटना स्थित कृषि भवन में किसानों के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने परिचर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति मैं आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने किसानों की सेवा का मौका मुझे दिया है। किसानों की सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है। हम पूरी कोशिश करेंगे कि हम देश के किसानों का कल्याण कर सकें। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लालकिले से कहा है कि वो तीन गुना तेजी से काम करेंगे। बिहार की सरकार, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और कृषि विभाग को बधाई देना चाहता हूं। लगातार खेती के कल्याण के काम में वो लगे हुए हैं। आज मैंने स्टॉल देखे हैं। मखाना, चावल, शहद, मक्का, चाय सब कुछ अद्भुत है। बिहार के किसानों को प्रणाम करता हूं। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि बड़े जमीन के टुकड़े हमारे पास नहीं हैं, 91 प्रतिशत सीमांत किसान हैं लेकिन फिर भी किसान चमत्कार कर रहे हैं। खेती में आय दोगुना करने का अभियान प्रधानमंत्री ने शुरू किया है। छह सूत्र हमारे हैं, किसानों के लिए जिन पर हम काम कर रहे हैं। उत्पादन बढ़ाना, इसके लिए जरूरी है अच्छे बीज। उत्पादन अच्छा है लेकिन और संभावना है। फल, सब्जी, अनाज, दलहन, तिलहन के अच्छे बीज जरूरी हैं। मुझे खुशी है कि 65 फसलों की 109 प्रजातियों के बीज प्रधानमंत्री ने समर्पित किये हैं। ऐसी धान की किस्म है, जिसमें 30 प्रतिशत कम पानी लगता है। बाजरे की एक किस्म है, जिसकी फसल 70 दिन में आ जाती है। ऐसे बीज हैं जो जलवायु के अनुकूल हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि बढ़ते तापमान में भी अच्छा उत्पादन देते हैं। मैं आईसीएआर में बात करूंगा, जिससे यहां किसानों को बीज की उपलब्धता हो जाए। उत्पादन की लागत घटाना हमारा दूसरा संकल्प है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसानों को बहुत मदद मिलती है। केसीसी से खाद के लिए सस्ता लोन मिल जाता है। तीसरी चीज है उत्पादन के ठीक दाम मिल जाएं। यहां का मखाना धूम मचा रहा है। मखाना एक्सपोर्ट क्वालिटी का पैदा हो रहा है। चीजें एक्सपोर्ट होती है तो किसान को ज्यादा फायदा होता है। इससे जुड़ा कार्यालय बिहार में आये, इसके लिए मैं प्रयास करूंगा। कृषि का विविधीकरण सरकार के रोडमैप में है। परंपरागत फसलों के साथ ही ज्यादा पैसे देने वाली फसलों को बढ़ावा देने में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं फूड प्रोसेसिंग की बात भी करना चाहूंगा। बिहार का टैलेंट दुनिया में अद्भुत है। इस टैलेंट का ठीक उपयोग बिहार को भारत का सिरमौर नहीं बनाएगा, भारत को दुनिया का सिरमौर बना देगा। इसे खेती में और कैसे लगा सकते हैं, नए आइडियाज के साथ। केमिकल फर्टिलाइजर का उपयोग आखिर हम कब तक करेंगे। इससे उर्वरक क्षमता भी कम होती है और जो उत्पादन होता है, उनका शरीर पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। आजकल केंचुए गायब हो गए हैं। खाद डालकर उनका समापन ही कर दिया। केंचुआ 50-60 फीट जमीन के नीचे जाता है।

साइक्लोथोन को लेकर मंच ने किया टीशर्ट,टोपी और झंडा लॉन्च

एजेंसी

अररिया। मारवाड़ी युवा मंच फारबिसगंज की ओर से आगामी 25 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आईसीआईसीआई साइक्लोथोन यानी साइकिल रैली का आयोजन किया जा रहा है, जिसको लेकर मंच की ओर से शुक्रवार को टी शर्ट, टोपी एवं झंडा लॉन्च किया गया। मंच के अध्यक्ष गौरव जैन ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को यह सामग्री प्रदान की जा रही है,जिसे पहन कर एक रूप में सारे प्रतिभागी इस साइकिल रैली में हिस्सा लेंगे। साइकिल रैली फारबिसगंज के हवाई फील्ड से शुरूआत होकर ढोलबज्जा के सरकारी स्कूल में समाप्त होगी। इसको लेकर तैयारियां जोरों पर की जा रही है। मंच के सदस्य एवं समाज के लोगों के द्वारा इस कार्यक्रम की सफलता के लिए हर तरीके का प्रयास किया जा रहा है। मौके पर मारवाड़ी युवा मंच के सचिव कुणाल केडिया, सक्रिय सदस्य इंजीनियर आयुष अग्रवाल, अमन अग्रवाल, प्रमोद केडिया, सौरव अग्रवाल, हर्ष वैद, यश जैन, बादल मुंद्रा, दिलीप गौतम, रोशन सेठिया निशांत गोयल, आदर्श गोयल, नितेश अग्रवाल, प्रमोद केडिया, ऋषभ अग्रवाल एवं अन्य बढ़ चढ़कर कार्यक्रम की सफलता के लिए लगे हुए हैं। मौके पर इंजीनियर आयुष अग्रवाल ने बताया कि इस तरीके के कार्यक्रम से फारबिसगंज में युवाओं को खेलकूद एवं पर्यावरण की दृष्टिकोण से भी सजक होने के लिए जागरूक किया जा रहा है ।

खास खबर

राहुल के संन्यास की अफवाह उड़ी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल को लेकर सोशल मीडिया पर एक अफवाह तेजी से फैली थी कि राहुल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर वह बाद में गलत निकली। दरअसल राहुल ने सोशल मीडिया में एक स्टोरी साझा करते हुए लिखा था कि उन्हें कुछ बताना है। इसके बाद अचानक ही उनकी सोशल मीडिया पर एक स्टोरी साझा होने लगी और उसमें ये दावा किया जाने लगा कि राहुल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इससे सभी प्रशंसक हैरत में पड़ गये पर बाद में जब सच्चाई सामने आई तो सभी ने राहत की सांस ली क्योंकि राहुल ने इस तरह की कोई स्टोरी साझा ही नहीं की। इससे साफ है कि जो उनकी स्टोरी का जो स्क्रीनशॉट वायरल हुआ था वह फर्जी निकला। उन्होंने एक स्टोरी जरूर साझा की थी जिसमें लिखा था कि उन्हें किसी चीज की जानकारी देनी है पर संन्यास को लेकर उन्होंने कोई बात नहीं कही। ऐसे में कुछ लोगों ने गलत जानकारी फैला दी।

नये लुक में नजर आये शमी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब सर्जरी से उबर गये हैं और टीम इंडिया में वापसी के प्रयास कर रहे हैं। इसी बीच शमी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई हैं। इसमें वह नई हैयर स्टायल में नजर आ रहे हैं। शमी के इस नए लुक को देखकर प्रशंसक भी हैरान हैं और उन्होंने उनकी तुलना ह्यएनिमलह्न फिल्म के अभिनेता रणवीर कपूर से की है। शमी नए हेयरकट में काफी युवा दिखाई दे रहे हैं। वहीं लोग उनकी वायरल तस्वीरों पर अलग अलग कॉमेंट कर रहे हैं। किसी का कहना है कि शमी के आगे तो रणवीर भी फेल हैं। वहीं एक यूजर ने लिखा कि रणवीर से कहीं ज्यादा अच्छे तो शमी लग रहे हैं। शमी एकदिवसीय विश्वकप के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर हैं। उन्होंने साल की शुरूआत में फरवरी में चोटिल टखने की सर्जरी कराई थी। वह इस समय बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपनी चोट से उबर रहे हैं। इस दौरान उन्हें छोटे रनआप के साथ कम गति वाली गेंदबाजी करते हुए भी देखा गया है।

दिलीप ट्रॉफी में खेलेंगे उमरान

नई दिल्ली । तेज गेंदबाज उमरान मलिक अब बिमारी से उबर गये हैं और अगले माह 5 सितंबर से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए तैयार हैं। उमरान अभ्यास के लिए बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में भी शामिल हो गए हैं। उमरान ने कहा, मैं पहले से बेहतर महसूस कर रहा हूं और अब मैं एनसीए में दलीप ट्रॉफी की तैयारी पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं इस सत्र में अपनी टीम की ओर से अच्छा प्रदर्शन करूंगा। उमरान ने साल 2022 में भारतीय टीम की ओर डेब्यू करते हुए 10 एकदिवसीय और 8 टी20 मैच खेले थे पर इसके बाद लय नहीं बनाये रखने के कारण वह बाहर हो गये थे। 2021 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने वाले उमरान ने 12 मैचों में 44.62 की औसत से 16 विकेट लिए हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25 रन देकर तीन विकेट लेना रहा है।

भारतीय महिला पहलवान अदिति और नेहा ने जीते खिताब

अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप

एजेंसी

अम्मान। भारतीय महिला पहलवान अदिति कुमारी और नेहा पुलकित ने कैडेट्स टूनार्मेंट के अपने-अपने वर्ग में अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप जीती है। अदिति ने 43 किग्रा भार वर्ग में यूनान की मारिया लौइजा गिकिका को फाइनल में 7-0 से हराया। वहीं नेहा ने 57 किग्रा के फाइनल में जापान की सो सुतसुई को 10-0 के अंतर से हराया। महिला पहलवान विनेश फोगाफ के गांव की नेहा ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है और यह खिताब विनेश दीदी और सभी महिला पहलवानों के लिए है। विनेश दीदी हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और यह विश्व खिताब बलाली गांव के साथ-साथ भारत की महिला पहलवानों को भी प्रेरित करेगा। नेहा के पिता अमित कुमार सांगवान अपनी बेटी की इस सफलता से उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इससे पूरे गांव का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि नेहा ने पिछले सप्ताह ही विनेश के स्वागत के लिए पूरी दोपहर माला बनायी थी। जब वह मंच पर गई थी, तो विनेश ने उससे कहा था कि उसकी तरह लड़कियों को उसका सपना पूरा करना चाहिए। उन्होंने साथ ही कहा, नेहा को अपना पहला विश्व खिताब जीतते देखकर आज विनेश भी बहुत खुश हुई होंगी। यह पूरे बलाली गांव के लिए भी एक खास एहसास है।

डीपीएल : ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने सुपरस्टार्स को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली । ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने अरुण जेटली स्टेडियम में खेली जा रही दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) टी20 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, ईस्ट दिल्ली राइडर्स की ओर से सलामी बल्लेबाजों अनुज रावत और सुजल सिंह ने शानदार शुरूआत कर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। रावत ने 34 रन जबकि सुजल ने 63 रन बनाये। वहीं कप्तान हिम्मत सिंह ने 29 रन बनाये। सुजल ने केवल 19 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। इनके आउट होने के बाद हार्दिक शर्मा ने 38 रनों जबकि समर्थ ने 24 रन बनाए। वहीं इससे पहले ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने टॉस जीतकर सुपरस्टार्स को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। सुपरस्टार्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसके सलामी बल्लेबाज सार्थक दो रन ही बना पाये। इसके बाद कप्तान आयुष बदौनी ने प्रियांश के साथ 67 रन की साझेदारी कर पारी संभाली। बदौनी ने 32 रनों रन बनाये। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने 20 ओवरों में सात विकेट पर 191 रन बनाये। ईस्ट दिल्ली राइडर्स की ओर से मयंक रावत और हर्ष त्यागी ने दो-दो विकेट लिए।

पुरुष भाला फेंक फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को 89.49 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके लुसाने डायमंड लीग में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 90.61 मीटर का शानदार फाइनल थ्रो करके शीर्ष स्थान हासिल किया। नीरज ने रात के अधिकांश समय 83 मीटर की रेंज में थ्रो करने के बाद, पांचवें और छठे प्रयास में दो बलन्द थ्रो कर अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट में शीर्ष दो में रहने के रिकॉर्ड को बरकरार रखा। 26 वर्षीय नीरज ने 82.10 मीटर, 83.21 मीटर और 83.13 मीटर की थ्रो के साथ शुरूआत करते हुए संघर्ष किया। इससे अधिक ऊंचाई तक पहुंचने में उनकी असमर्थता का मतलब था कि पीटर्स, जूलियन वेबर, आर्टूर फेलनर और रोडरिक डीन जेनकी जैसे खिलाड़ी उनसे आगे निकल गए। थ्रो के चौथे राउंड के अंत तक नीरज चौथे स्थान पर थे। इसके बाद मौजूदा विश्व चैंपियन ने पांचवें प्रयास में 85.58 मीटर थ्रो करके शीर्ष तीन में जगह बनाई, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि वह अंतिम थ्रो के लिए प्रतिस्पर्धा में बने रह सकते हैं। पिछली बार नीरज शीर्ष तीन से बाहर 2018 में ज्यूरिख में डायमंड लीग में रहे थे। पीटर्स ने 90.61 मीटर का बड़ा थ्रो करके अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अंतिम के लिए बचाकर रखा, जो उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ और मीट रिकॉर्ड है। वेबर अपने अंतिम थ्रो में केवल 82.33 मीटर ही फेंक पाए। नीरज ने अंतिम थ्रो में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, लेकिन भाला 90 मीटर के निशान से थोड़ा कम रह जाने के कारण वे निराश हो गए। उनका 89.49 मीटर का थ्रो उनके इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ और अब तक का उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, लेकिन वे एक बार फिर 90 मीटर के निशान से चूक गए।

काउंटी में अगले साल नहीं खेलेंगे पुजारा

एजेंसी

लंदन । भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा अब अगले साल काउंटी क्रिकेट नहीं खेलेंगे। इसका कारण है कि काउंटी टीम ससेक्स ने पुजारा का करार समाप्त कर दिया है। ससेक्स ने पुजारा की जगह ऑस्ट्रेलिया के डेनियल ह्यूज को शामिल कर लिया है। इसी कारण उसने पुजारा को हटा दिया है। अब अगले साल वाएं हाथ के बल्लेबाज ह्यूज सभी चैंपियनशिप और टी20 विटैलिटी ब्लास्ट मैचों में खेलेंगे। ससेक्स ने यह भी कहा कि वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी काउंटी चैंपियनशिप के शुरूआती मैचों में उसकी टीम से खेलेंगे। पुजारा ने 2024 में लगातार तीसरी बार ससेक्स की ओर से खेला था। उन्होंने ह्यूज की वापसी से पहले पहले सात चैंपियनशिप मैच खेले थे। ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने कहा,पुजारा ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, ऐसे में उनसे करार समाप्त करना आसान काम नहीं था पर ह्यूज की हमें जरूरत थी। इसलिए ये बदलाव करना पड़ा। हमें खुशी है कि वह अगले पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे ह्यह्यूज ने इस साल के ब्लास्ट के ग्रुप चरण में 43.07 की औसत से 560 रन बनाए जिसमें पांच अर्द्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 96 रन रहा। वह वर्तमान सत्र में काउंटी चैंपियनशिप के बाकी बचे पांच मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। पुजारा ने टीम इंडिया के लिए अपना आखिरी टेस्ट मैच जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था! इसके बाद से वह टीम इंडिया से बाहर हैं।

धोनी को ऑलटाइम बेस्ट में शामिल नहीं कर गलती की : कार्तिक

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज रहे दिनेश कार्तिक अपनी ऑलटाइम बेस्ट प्लेइंग इलेवन में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को शामिल नहीं किये जाने के बाद प्रशंसकों के निशाने पर थे। इसी को लेकर अब कार्तिक ने माफी मांगी है। उन्होंने इस दौरान साफ किया कि यह ऑल टाइम प्लेइंग इलेवन बताई हर फॉर्मेट को मिलाकर बनाई गई है। कार्तिक ने कहा, ह्यभाई लोग, मुझसे बड़ी गलती हो गई। सच में यह गलती थी। मुझे इसका अंदाजा तब हुआ जब यह वीडियो सामने आया। जब मैंने 11 खिलाड़ियों की सूची तैयार की तो बहुत सारी चीजें हो रही थीं और मैं विकेटकीपर का चयन भूल गया। राहुल द्रविड़ टीम में थे और सभी ने सोचा कि मैं पार्ट-टाइम विकेटकीपर के साथ जा रहा हूं पर मैंने राहुल द्रविड़ को विकेटकीपर के तौर पर नहीं रखा था। आपको इस बात पर हैरानी होगी कि एक विकेटकीपर होने पर भी मैं विकेटकीपर को रखना भूल गया। यह एक बड़ी गलती है। कार्तिक ने कहा, ह्यवह बात साफ है कि धोनी किसी भी प्रारुप में खेल सकते हैं। इसके साथ ही मेरा मानना है कि भारत ही नहीं, वह कहीं भी खेल सकते हैं। मुझे लगता है कि वे अब तक के महान क्रिकेटरों में से एक हैं। अगर मुझे उस टीम में बदलाव करना पड़े तो मैं धोनी को नंबर 7 पर रखूंगा।

रोनाल्डो ने शुरू किया चैनल

बार्सिलोना । पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पिछले कई साल से मॉडल जॉर्जिना रोड्रिग्ज के साथ रिलेशनशिप में हैं। जॉर्जिना से उनके दो बच्चे भी हैं। अब इस जोड़े का एक नया विडियो सामने आया है। इसमें रोनाल्डो ने जॉर्जिना का परिचय अपनी पत्नी के तौर पर दिया है। इस जोड़े ने सार्वजनिक रूप से अपनी शादी की घोषणा नहीं की है पर रोनाल्डो ने पिछले दिनों कहा था कि उन्होंने और जॉर्जिना ने एक गुप्त समारोह में शादी कर ली थी। ये बात तब निकलकर सामने आयी जब रोनाल्डो ने अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया। इस चैनल पर डेढ़ दिन के अंदर ही करीब 25 मिलियन सबस्क्राइबर्स के साथ ही एक नया रिकार्ड भी बन गया। रोनाल्डो ने इस यूट्यूब की लॉन्चिंग के साथ ही एक वीडियो डाली और कहा कि मैं अभी अपनी पत्नी का परिचय दूंगा।

अगले साल जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम अगले साल इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज अगले साल जून से अगस्त के बीच खेली जाएगी। इसका पहला मैच 20 जून से होगा। वहीं अंतिम टेस्ट मैच 31 जुलाई से शुरू होगा। भारतीय टीम इंग्लैंड के पिछले दौरे में जीत के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में इस बार उसका लक्ष्य जीतना रहेगा। भारत ने 2021 में इंग्लैंड दौरे पर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर तब कोरोना संक्रमकण के चलते सीरीज बीच में रोक दी गयी थी। बाद में सीरीज का बाकी बचा एकमात्र मैच खेला गया, जिसे इंग्लैंड ने जीता। इस तरह सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से ठीक पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 की रेस में सबसे आगे है और उसके खिताबी मुकाबले में पहुंचने की पूरी उम्मीदें हैं। इसके बाद इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज शुरू होगी। भारत-इंग्लैंड सीरीज 20 जून को शुरू होगी।अगर पांचवां टेस्ट मैच पांच दिन चलता है तो सीरीज 4 अगस्त को खत्म होगी। सीरीज का पहला मैच लीड्स में खेला जाएगा। दूसरा मैच बर्मिंघम और तीसरा मैच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। सीरीज का चौथा मैच मैनचेस्टर और पांचवां मैच 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा।

अर्चना कामथ ने टेबल टेनिस को कहा अलविदा

एजेंसी

नई दिल्ली । 24 साल की उम्र में ही महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी अर्चना कामथ ने खेल से संन्यास ले लिया है। अर्चना ने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। अर्चना ने आगे की पढ़ाई अमेरिका में करने के कारण ही संन्यास की घोषणा की है। अर्चना कामथ पेरिस ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली भारतीय टीम में शामिल थीं। क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के खिलाफ भारत को जो एक जीत मिली थी, वह अर्चना को ही मिली थी। अब वह पढ़ाई के लिए मिशिगन चली गयी हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, ह्यअगर मैंने पेशेवर टेबल टेनिस से संन्यास ले लिया है तो यह पढ़ाई के प्रति झुकाव के कारण लिया है। इस फैसले के पीछे कोई आर्थिक कारण नहीं है। मैं सरकार और प्रशंसकों से मिले समर्थन से खुश हूं ह्य अर्चना ने भारतीय टीम को पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। अर्चना के टेबल टेनिस छोड़ने का एक कारण यह भी है कि उन्हें 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी पदक मिलने की उम्मीद काफी कम दिखी। उन्होंने इस बारे में पेरिस ओलंपिक से लौटने के बाद अपने कोच अंशुल गर्ग को भी बताया था। कोच अंशुल ने कहा, ह्यमैंने अर्चना से कहा कि अगले ओलंपिक में भी तुम्हारा पदक जीतना मुश्किल है क्योंकि वह अभी दुनिया की शीर्ष-10 खिलाड़ियों में भी नहीं पहुंची है। इस कारण बहुत मेहनत के बाद भी पदक मिलने की काफी कम संभावना रहेगी। साथ ही कहा कि मुझे लगता है कि अर्चना ने खेल छोड़ने का मन पहले ही बना लिया था। इसी कारण उसका फैसला बदलना संभव नहीं नजर आता। अर्चना का भाई अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा में काम करता है। अर्चना भी भाई को अपना आदर्श मानती हैं और उसी की तरह पढ़ाई में आगे बढ़ना चाहती है।

पैदल चाल खिलाड़ी भावना जाट पर लगा प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली । नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक (एडीडीपी) पैनल ने भारत की पैदल चाल खिलाड़ी भावना जाट पर 16 महीने का प्रतिबंध लगा दिया है। भावना पर ये पाबंदी इसलिए लगायी गयी है क्योंकि पिछले साल वह अपने ठिकाने की जानकारी देने में असफल रहीं थीं। इसी कारण भावना को पिछले साल अगस्त में ही राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने बुडापेस्ट में हुई 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा से निलंबित करते हुए वापस बुला लिया था। वहीं उनका 16 महीने के प्रतिबंध का समय अस्थाई निलंबन की तारीख 10 अगस्त 2023 से शुरू हुआ। इस प्रकार उनका प्रतिबंध इस साल के अंत में 10 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा। नाडा नियमों के अनुच्छेद 2.4 के अनुसार उन्हें निलंबित करने का फैसला 10 जुलाई को सुनाया गया था पर इसे अब सार्वजनिक किया गया है। भावना ने मई और जून 2023 में दो डोप जांच भी नहीं करायी थी। इसी कारण उन्हें 2022 के अंत में चेतावनी दी गई थी। भावना ने तब कहा था कि मोबाइल एप में गड़बड़ी के कारण वह नाडा की शर्त पूरी नहीं कर पायी।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे अश्विन

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिन आर अश्विन अगले माह बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज से एक बार फिर टीम में वापसी करेंगे। अश्विन पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे थे। इसी सीरीज के बाद सत्र में होने वाले सभी टेस्ट मैच में वह भारतीय टीम की ओर से खेलेंगे। इसमें बॉर्डर गावस्कर सीरीज भी है। अश्विन को इस बार एक बदलाव देखने को ये मिलेगा कि टीम के कोच के तौर पर उन्हें गौतम गंभीर नजर आयेंगे। ये गंभीर के मार्गदर्शन में उनकी पहली सीरीज होगी। अश्विन ने गंभीर की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट के नायकों में से एक हैं। उन्होंने कहा, ह्यगौतम ऐसे व्यक्ति हैं जिनके साथ मेरे अब भी बहुत अच्छे संबंध हैं। इस तथ्य के कारण कि वह बहुत सीधे और ईमानदार व्यक्ति हैं। अश्विन ने कहा, ह्यमुझे लगता है कि गौतम भी उन लोगों में से एक हैं जिनका हमें हमेशा समर्थन करना चाहिए। वह भारतीय क्रिकेट के हीरो हैं। इसके साथ ही अश्विन ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से युवा खिलाड़ी कोचों और मार्गदर्शकों पर निर्भर हो रहे हैं। वह ठीक नहीं है। अश्विन के अनुसार इससे बल्लेबाज नये विचार और नई सोच विकसित नहीं कर पाते हैं और उन्हें कोच जो बताता है। वे वहीं तक सीमित हो जाते हैं। अश्विन ने कहा कि इसलिए मुझे अभी भी पारंपरिक रूप से कोच पर निर्भर रहने का विचार नहीं आया। साथ ही कहा कि इसी कारण वह कठिन दौर से भी स्वयं समाधान खोजने की अपनी क्षमता के कारण निकल आते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत सारे खिलाड़ी कोच या मार्गदर्शक या किसी एक व्यक्ति पर जरुरत से ज्यादा निर्भर होते हैं जो मुझे लगता है कि सही नहीं है। इससे वे नये विचारों के लिए तैयार नहीं होते। अश्विन ने कहा कि उनके पास भी राज्य टीम के पहले कोच डब्ल्यूवी रमन जैसे कोच रहे हैं पर उन्होंने कभी नहीं कहा कि तुम्हें मेरे बताये रास्ते पर ही चलना है। इसी कारण वह अपनी मुश्किलों के समाधान स्वयं खोजते रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्यअक्सर कोच की चुनौती आपके लिए कई समाधान देने में सक्षम होना होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जो एक विशेष खिलाड़ी के लिए काम करता है, वह शायद दूसरे के लिए काम नहीं करे। अश्विन ने कहा, ह्यएक आधुनिक कोचिंग का पहलू, जिससे मैं पूरी तरह असहमत हूं, वह यह है कि वे उसी समाधान को दूसरे को देने का प्रयास करते हैं जिससे किसी को लाभ हुआ हो। कुछ खिलाड़ी अपने कोच के नजरिए से सफल भी होते हैं पर उन्हें यह भी लगता है कि इस तरह की निर्भरता आपकी सोच को सीमित कर सकती है। वहीं एक क्रिकेटर के तौर पर आपको लगातार नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है इसलिए आपको अपने जवाब खुद ही तलाशने चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यलोग आपकी मदद कर सकते हैं पर वे आपके करियर में आपका मार्गदर्शन नहीं कर सकते, आपको नए विचारों के लिए स्वयं तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, ह्यकोच रमन ने मुझे अपने को जाहिर करने की आजादी दी और आप जानते हैं, नई चीजों को आजमाने की। उन्होंने मुझे यह भी सिखाया कि मुझे कैसे और किस रास्ते पर चलना है लेकिन उन्होंने कभी नहीं कहा, ह्यवह वह रास्ता है जिस पर आपको चलना है। अश्विन ने कहा, ह्यतो एक तरह से, मेरे शुरूआती दिनों में, डब्ल्यूवी के मार्गदर्शन ने सुनिश्चित किया कि मैं कभी भी किसी पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहा। अश्विन ने कहा कि दूसरी राय लेना कभी भी बुरा विचार नहीं है लेकिन क्रिकेट मुख्य रूप से एक स्वयं सिखाया हुआ खेल है।

योकोहामा में जापान बैडमिंटन ओपन में खेलते हुए खिलाड़ी।

फुहारों के बीच खिली-खिली

दिखें आप

चुभती-झुलसा देने वाली गर्मी के दिन खत्म। अब आया मस्त मानसून का मौसम। जितनी बेसब्री से हमें फहारों के आने का इंतजार रहता है, उतनी ही दिक्कतें भी सामने आती हैं। कभी चेहरे का मेकअप पैची होने लगता है तो कभी बाल चिपचिपे हो जाते हैं। कभी कपड़े बदन से चिपक कर एक समस्या बन जाते हैं। समस्या होती है तो उसका समाधान भी होता है। बारिश के मौसम में आने वाली समस्याओं का निदान आइए जानते हैं

मानसून में महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना काफी कठिन हो जाता है। बारिश में जाने के लिए जी तो मचलता है, लेकिन कभी मेकअप बिगड़ जाने का डर, कभी बाल बिगड़ जाने का डर और कभी त्वचा की सुरक्षा उन्हें बाहर निकलने से रोकती है, पर बारिश में घर भी तो नहीं बैठा जा सकता। थोड़ी सी सावधानियों से आप बारिश का मजा भी ले सकती हैं और सजने-संवरने के अपने शौक को भी पूरा कर सकती हैं।

- इस मौसम में सिबेशियस व स्वेट ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, जिससे त्वचा चिपचिपी व ज्यादा पसीने व डैंड्रफ से युक्त हो जाती है। इसलिए प्रतिदिन माइल्ड शैंपू से बाल धोएं। हर धुलाई के बाद अच्छी क्वालिटी के कंडीशनर का प्रयोग करें। बाल झड़ेंगे नहीं। बाल उलझे, रूखे व बेजान नहीं होंगे।
- इस मौसम में बारिश में भीगे गीले बालों में अक्सर जुएं पड़ जाती हैं। बारिश में भीगे गीले बालों को भी शैंपू अवश्य करें। सिर में खुजलाहट होने पर नाखून से कुरेदें नहीं। त्वचा पर इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। कई बार दो-तीन दिन बाल न धोने पर बारिश में भीगे होने के कारण सिर में छोटे-छोटे दाने भी हो जाते हैं।
- यदि किसी वजह से सिर न धो रहे हों तो सूखे सिर में कोई भी टेलकम पाउडर डाल कर कंघी कर लें। डस्ट निकल जाएगी, पसीना नहीं आएगा। बारिश के मौसम में 1-2 घंटों के लिए सिर पर दही लगाएं। इसके अलावा मूंग की दाल को दरदरा पीस कर सिर में लगाएं, अच्छी कंडीशनिंग हो जाएगी। बालों में अच्छी शाइन आ जाएगी।
- एलोवेरा का जूस निकाल कर इसका पल्प भी कुछ देर सिर में एक-डेढ़ घंटा लगा कर फिर शैंपू कर लें। जर्म्स, दाने व डैंड्रफ खत्म हो जाएगी। यदि इन्फेक्शन ज्यादा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बाल धोने के बाद तौलिए से अच्छी तरह सुखा कर चौड़े दांत की कंघी से बाल सुलझाएं। बारिश में भीगने के बाद बाल हमेशा खुले रखें।
- इस मौसम में यदि सिर में तेल लगाएं तो दो-तीन घंटे बाद ही सिर धो लें। ज्यादा देर तेल लगा रहेगा तो वह फेस पर आ जाएगा। बारिश के मौसम में हेयर जेल, मूस, हेयर स्प्रे का इस्तेमाल न करें। उमस के कारण सिर में पसीना अधिक आता है, इसलिए बालों में स्टाइल बनाने से पहले ह्यूमिडिटी प्रोटेक्टिव जेल लगाएं।
- इस मौसम में स्ट्रेट बालों को कर्ल करने व कर्ल बालों को स्ट्रेट करने से बचें। कर्ल बालों में स्टाइलिंग क्रीम या जेल लगा कर सेट कर लें व स्ट्रेट बालों की ढीली पोनीटेल बना लें। ध्यान रखें कि क्रीम व जेल एल्कोहल बेस्ड हो, जो बालों को चिपचिपा होने से बचाए।
- इस मौसम में वातावरण में ही नमी होने के कारण ब्लो ड्राई, रोलर सैटिंग आदि टिक नहीं पाते, इसलिए इनसे बचना चाहिए। ऐसे में लौअर बन व पोनीटेल अच्छी रहेंगी। गर्दन तक का कट इस मौसम में हमेशा चींटियां काटने का एहसास कराता है, ऐसा कट न रखें। इस मौसम के लिए विशेषतौर से मेंटेनेंस फ्री कट होना चाहिए। फ्रंट में फ्रींजिस दे सकते हैं।

मेकअप टिप्स

- सावन की बरसती बूंदें मन को अवश्य खुशी देती हैं, पर ये बूंदें ही चिपचिपे, उलझे बाल, तैलीय त्वचा व तन के श्रृंगार को तहस-नहस कर देती हैं। घर से बाहर जाने से बीस-पच्चीस मिनट पहले सनस्क्रीन लोशन लगा लें।
- इस मौसम में जरूरत से ज्यादा मेकअप बेस लगाने से बचें। अगर लगाएं तो सिलिकोन बेस या वॉटर प्रूफ फाउंडेशन की पतली परत लगाएं। पानी की बूंदें पड़ते ही पानी व पसीना बहकर निकल जाएगा। मेकअप वैसे का वैसा रहेगा। पाउडर बेस पर बूंदें पड़ते ही मेकअप पैची हो जाएगा।
- बारिश के मौसम में मेकअप हल्का ही करें। मेकअप बेस अपनी त्वचा से एक टोन गहरा लें। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि हेयर लाइन के पास पसीना ज्यादा आता है, इसलिए इस हिस्से पर फाउंडेशन कम से कम लगाएं।
- बारिश में आंखों का मेकअप ज्यादा खराब हो जाता है। इस मौसम के लिए काजल, आई लाइनर, मस्कारा आदि वॉटर प्रूफ ही लें। इस मौसम में विशेषतौर से ट्रांसपेरेंट मस्कारा व कलर्ड काजल पेंसिल का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आई शैडो व ब्लश ऑन लगाना हो तो कभी भी पाउडर बेस न लगा कर मौसम को ध्यान में रखकर क्रीम बेस्ड ही लगाएं। इसके लिए लिपस्टिक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पर ध्यान दें त्वचा पर अच्छी तरह फैल जाए।
- बारिश के मौसम में लिपग्लॉस का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए, यह हर फुहार की बूंद के साथ होठों के इर्द-गिर्द फैलता है। लिपस्टिक भी गॉढ़ी न लगाकर हल्की ही लगाएं। पूरा मेकअप हो जाने के बाद मेकअप फिक्सिंग स्प्रे लगा लें। इससे मेकअप सेट हो जाता है। बिंदी स्टिक ऑन ही इस्तेमाल करें।

स्किन केयर टिप्स

- इस मौसम में चिपचिपी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए चंदन पाउडर में गुलाब जल मिला कर चेहरे, गर्दन व बांहों पर लगाएं। थोड़े से जीरा पाउडर में नारियल का तेल मिला कर इसे गर्दन व आसपास के हिस्सों पर लगाएं।
- चिकनी त्वचा वाले लोग शहद व नींबू का रस बराबर भाग में मिला कर लगा सकते हैं। यदि आप चाहें तो इसमें अंडे की सफेदी भी मिला लें। एक घंटा त्वचा पर लगा रहने दें फिर ठंडे पानी से धो दें। इसके अलावा कच्चे दूध में बेसन मिला कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- शुष्क त्वचा वाले लोग एक बड़ा चम्मच दूध की क्रीम में गुलाब जामुन मिला कर लगाएं व पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें। त्वचा को साफ करने के लिए पपीते के छोटे टुकड़े करें, इनसे त्वचा को साफ करें। पपीते का रस व गूदा पांच-सात मिनट तक त्वचा पर लगा रहने दें, फिर त्वचा धो लें।
- इस मौसम में रात को त्वचा की टोनिंग करना चाहिए। इसके लिए एक-छोटा चम्मच दूध में पांच बूंदें चमेली के तेल की मिलाएं। इस तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर लगाएं। बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन लोशन लगाना बंद नहीं करना चाहिए।
- इन दिनों फंगस इन्फेक्शन सबसे ज्यादा हो जाता है। गीले कपड़े व गीले जूते देर तक न पहने रहें। एंटी फंगस साबुन से त्वचा को साफ करें। शरीर के जोड़ों, पांवों की उंगलियों आदि में साधारण या एंटी फंगस पाउडर का इस्तेमाल करते रहें।
- बारिश के मौसम में बेजान हो जाने वाली त्वचा में नई जान डालने के लिए शहद व दही बराबर मात्र में मिला कर अच्छी तरह से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें।

विंड चाइम से बढ़े घर की रौनक

विंड चाइम, इसे पवन घंटियां भी कहा जाता है। इसके प्रयोग से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। विंड चाइम धातु, लकड़ी, बांस या सिरेमिक पाइप से बनी होती है। ये पाइप अंदर से बांसुरी की तरह खाली होते हैं। इन पाइपों को रेशमी धागों से बांधा जाता है। लकड़ी और बांस से बनी विंड चाइम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने के साथ-साथ नाम व यश भी बढ़ता है। छह रॉड वाली गोल्डन व येलो कलर की विंड चाइम उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाने से यश एवं समृद्धि में वृद्धि होती है। नौकरी एवं व्यवसाय में तरक्की के अवसर मिलते हैं। सात रॉड वाली सिल्वर व सफेद रंग वाली विंड चाइम घर में पश्चिम दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों तथा ऑफिस में लगाने से सहकर्मियों और नौकरों से संबंध अच्छे बने रहते हैं।

जिन लोगों की जन्मतिथि में धातु तत्व की कमी हो, उन्हें मेटल की विंड चाइम और पृथ्वी तत्व की कमी होने पर सिरेमिक विंड चाइम का प्रयोग करना चाहिए। एल्यूमिनियम, लोहे व पीतल के पाइप वाली विंड चाइम का प्रयोग हानिकारक होता है। इन पर पाउडर कोटिंग की जाती है, लेकिन इनकी आवाज कर्कश होती है।

क्रिस्टल बॉल

यह घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि करती है। घर में किसी भी प्रकार का वास्तु दोष होने पर पूर्व दिशा में 9 क्रिस्टल बॉल्स का गुच्छा लगाने से काफी हद तक वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। घर की पश्चिम दिशा में क्रिस्टल बॉल इस प्रकार लगाएं कि सूर्य की किरणें उस पर पड़ें। इससे घर के बुजुर्गों और महिलाओं में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। घर के निराशाजनक वातावरण को दूर कर सुख-शांति और धन की वृद्धि करने में भी यह सहायक है। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में डायमंड कट वाली क्रिस्टल बॉल, जहां पिता-पुत्र संबंधों में मधुरता लाती है, वहीं जीवन में प्रेम का संचार भी करती है।

सिक्के और घंटियां

फेंगशुई सिक्के ऊपर से गोल और अंदर से वर्गाकार छेद लिए होते हैं। घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए इन सिक्कों का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए तीन फेंगशुई सिक्कों को लाल रंग के रिबन या रेशमी धागे से एक साथ बांधकर पर्स या दुकान के गल्ले में रखा जाता है। इसके अलावा इन सिक्कों को केवल मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ और तिजोरी के दरवाजे पर भी बांधा जा सकता है। इन सिक्कों के साथ-साथ छोटी घंटियों को भी बांधा जा सकता है। लाल रिबन से बंधी ये घंटियां सौभाग्य का प्रतीक होती हैं। इन घंटियों से किसी प्रकार की ध्वनि नहीं होती। पुरानी हो जाने पर इन घंटियों को बदल देना चाहिए।

नरम बूंदों के साथ गरम पकौड़ी

मौसम बारिश का हो और पकौड़ी का स्वाद न लिया जाए, यह कैसे हो सकता है। इस मौसम में सबका मन गरमा-गरम पकौड़ी खाने को करता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं पकौड़ी।

भुट्टा-पालक पकौड़ी

सामग्री

5 भुट्टे नरम दाने वाले,100 ग्राम पालक कटा हुआ, 4-5 हरी मिर्च, एक टुकड़ा अदरक, 4-5 लहसुन की कली , आधा चम्मच जीरा, हरा धनिया बारीक कटा हुआ, एक बड़ा चम्मच बेसन , नमक स्वादानुसार , आधा चम्मच लाल मिर्च , एवं तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

सबसे पहले भुट्टों को साफ करके कद्दूकस करें। भुट्टे, पालक, हरी मिर्च, अदरक एवं लहसुन को थोड़ा मोटा ही पीस लें। अब सभी मसालों को बेसन में मिलाकर अच्छी तरह से खोल लें। पीसे हुए भुट्टे व पालक को बेसन में लपेटकर तेल में तलें। तलने के बाद इसे चटनी के साथ सर्व करें।

पालक रोल पकौड़ी

सामग्री

पालक के 15 पत्ते , 200 ग्राम बेसन, 2 चम्मच चावल का आटा, 2 आलू उबले व मैश किए हुए, एक चम्मच धनिया, चौथाई चम्मच हल्दी, दो-तीन हरी मिर्च बारीक कटी, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच अदरक बारीक कटा हुआ , हरा धनिया कटा हुआ, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार,

बनाने की विधि

मैश हुए आलू में सभी मसाले मिलाएं। हर पत्ते को अच्छी तरह पोंछकर उन पर थोड़ा सा आलू का मिक्सचर रखें और रोल कर लें। बेसन का गाढ़ा घोल बनाकर उसमें चावल का आटा मिला दें। हर रोल को उसमें डुबोकर फ्राई करें।

कच्चे केले के पकौड़े

सामग्री

6 कच्चे केले, 200 ग्राम बेसन, आधा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, एक चौथाई चम्मच हल्दी, एक कद्दूकस किया प्याज, 3-4 बारीक कटी हरी मिर्च, तलने के तेल

बनाने की विधि

केलों को उबालकर छीलें व हाथ से अच्छी तरह मेश कर लें। बेसन को सूखा ही भून लें। भुने बेसन में मेश किया केला, कटी सामग्री व मसाले खूब अच्छी तरह मिक्स कर लें। आवश्यकता हो तो इसमें थोड़ा-सा दूध मिला लें। अब एक कड़ाई में तेल गर्म कर लें। कम आंच पर उलट-पलट कर गुलाबी होने तक तलें। केले के इन पकौड़ों को गरमा-गरम चाय के साथ पेश करिए या किसी खट्ठी-मीठी चटनी के साथ इसका स्वाद दुगुना हो जाएगा।

मशरूम के पकौड़े

सामग्री

200 ग्राम मशरूम, 200 ग्राम बेसन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादानुसार कटा हुआ मिर्च- तीन, तलने के तेल

बनाने की विधि

मशरूम को साफ करके धो लें। इनको कुछ देर स्टीम देकर मुलायम कर लें। बेसन में नमक-मिर्च व पानी डालकर पकौड़ों के हिसाब से घोल तैयार कर लें। इसी में हरा धनिया भी डाल दें। मशरूम को आधे-आधे काटकर बेसन लपेटकर गर्म तेल में तलें। आपके लिए गर्मागर्म मशरूम के पकौड़े तैयार हो गए।

क्रिस्पी बैंगन पकौड़े

सामग्री

एक भुर्ते वाला बड़ा बैंगन, 4-5 खड़ी लाल मिर्च
2-3 कली लहसुन, 1 कप बेसन
आधा कप चावल का आटा, नमक स्वादानुसार
1 चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच हल्दीएक चौथाई चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग
तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि

बैंगन को धोकर पतली गोल-गोल स्लाइस काट लें। लाल मिर्च, लहसुन, नमक, नींबू रस एवं थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। बेसन में चावल का आटा, हींग, नमक, अजवाइन एवं थोड़ा पानी मिलाकर पकौड़े का घोल तैयार करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। बैंगन की एक स्लाइस लेकर इस पर लाल मिर्च का पेस्ट चुपड़े। ऊपर से दूसरी स्लाइस रखें। इसे बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तलें। गर्मागर्म क्रिस्पी बैंगन पकौड़ों को सॉस और हरी चटनी के साथ परोसें। इसका स्वाद लाजवाब लगेगा।

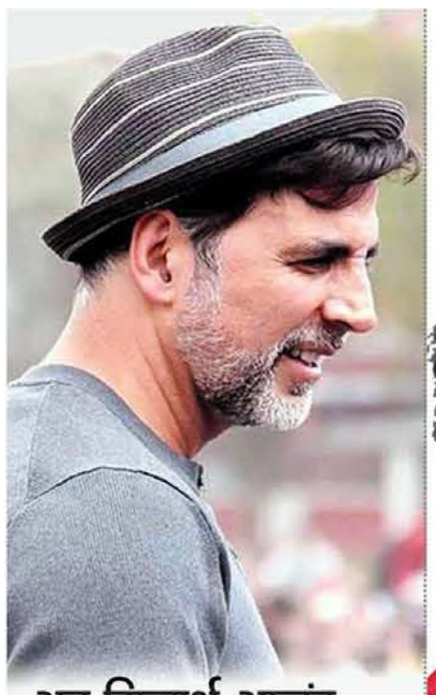

अब सिद्धार्थ आनंद लगाएंगे अक्षय कुमार की नैया पार! एक्शन फिल्म के लिए मिलाया हाथ?

ऋतिक रोशन और शाहरुख खान के साथ काम करने के बाद निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की अगली पसंद अक्षय कुमार हैं। ऐसा दावा मीडिया रिपोर्ट्स में किया जा रहा है। खबरों की मानें तो यह जोड़ी एक नई एक्शन फिल्म के लिए सहयोग करने के लिए पूरी तरह तैयार है। आगामी फिल्म का निर्देशन मिलन लूथरिया द्वारा किया जाएगा और इसका निर्माण आनंद के प्रोडक्शन हाउस, मार्फ्लिक्स के तहत किया जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है कि अक्षय कुमार और सिद्धार्थ आनंद कुछ समय से एक फिल्म पर विचार कर रहे थे। अब इस जोड़ी ने लुथरिया द्वारा निर्देशित एक एक्शन से भरपूर मनोरंजन फिल्म को अंतिम रूप दे दिया है। जानकारी के अनुसार, जब स्क्रिप्ट लॉक हो गई, तो तीनों ने महसूस किया कि अक्षय कुमार इस किरदार के लिए सबसे उपयुक्त हैं...और स्क्रिप्ट सुनने पर अक्षय को भी लगा कि यह उनके लिए सही फिल्म है।

सूत्र ने यह भी बताया कि अक्षय कुमार, सिद्धार्थ आनंद के मार्गदर्शन में एक्शन की एक नई शैली की खोज को लेकर रोमांचित हैं। अभिनेता आगामी फिल्म में पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अक्षय को एक्शन स्पेस पसंद है और वह हमेशा चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं। मिलन लुथरिया निर्देशित इस फिल्म में वह पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आएंगे, जो एक्शन में उनके द्वारा बनाई गई विरासत के साथ न्याय करता है। मार्फ्लिक्स आने वाले साल में कई फिल्मों के लिए तैयारी कर रहा है। इनमें शाहरुख खान और सुहाना खान अभिनीत सुजॉय घोष निर्देशित किंग शामिल है। सैफ अली खान के साथ रॉबी ग्रेवाल निर्देशित ज्वेल थीफ और ऋतिक रोशन के नेतृत्व वाली सुपरहीरो फ्रेंचाइजी कृष 4 शामिल है। काम के मोर्चे पर, अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में ने 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक दी। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने में विफल नजर आई है। वहीं, आने वाले दिनों में खिलाड़ी कुमार को जॉली एलएलबी 3, वेलकम टू द जंगल और हाउसफुल 5 जैसी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में देखा जाएगा।

मैं सार्वजनिक संपत्ति नहीं... पैपराजी के साथ होने वाली नोकझोंक पर तापसी की दो टूक

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू फिल्मों में अपने शानदार प्रदर्शन के साथ ही अपने बेबाक अंदाज के कारण भी सुर्खियों का हिस्सा बनती हैं। एक तरफ तापसी एक से बढ़कर एक हसीन तस्वीरों से प्रशंसकों को अपने जीवन की झलकियां देती नजर आती हैं। तो, दूसरी तरफ उन्हें अक्सर ही फोटो लेने आए पैपराजी से झगड़ा मोल लेते देखा जाता है। इस वजह से वह काफी ज्यादा ट्रोल भी होती हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री ने चुप्पी तोड़ी है और अपना पक्ष साफ करती नजर आई हैं। एक हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू ने बड़े पैमाने पर ट्रोलिंग और पैपराजी युग में एक सार्वजनिक हस्ती होने के चुनौतीपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। ऑनलाइन आलोचना पर विचार करते हुए तापसी ने स्वीकार किया, मुझे लगता है कि मैंने ऐसा जीवन चुना है जिसके बारे में दुर्भाग्य से मुझे बहुत देर से पता चला कि कुछ करो ना करो, ट्रोल तो तुम होगे ही। तापसी पन्नू ने अपनी बात में आगे जोड़ा, तो, मुझे लगता है कि यह ट्रोलिंग हाल ही में हम सभी के जीवन में आ गई है। साथ ही मुझे लगता है कि मैं कुछ प्रासंगिक हूं तभी ट्रोल हो रही हूं। लोग आप पर नकारात्मकता में समय बर्बाद कर रहे हैं। मुझे लगता है, ठीक है, मैं किसी तरह से उनके समय के लायक हूं।

तापसी का मानना है कि आज के ट्रोल्स की कठोरता के बावजूद उनमें करियर को खत्म करने की शक्ति नहीं है जैसा कि पहले के समय में हुआ करता था। अभिनेत्री ने कहा, नहीं, वे करियर नहीं खत्म कर सकते वरना मैं यहां नहीं होती। तापसी ने पैपराजी के साथ समय-समय पर हो जाने वाली नोकझोंक पर भी चुप्पी तोड़ी। तापसी पन्नू ने कहा, मेरे पास इस तथ्य का बहुत स्पष्ट तर्क है कि मैं एक सार्वजनिक इंसान हूं, सार्वजनिक संपत्ति नहीं। दोनों के बीच बहुत बड़ा अंतर है। उन्होंने व्यक्तिगत स्थान पर अपने अधिकार का दृढ़ता से दावा किया, और इस बात पर प्रकाश डाला कि फोटोग्राफरों द्वारा अनुचित आक्रमण सीमा को लांघ देती है। तापसी ने कहा, अगर आप मुझ पर चिल्लाएंगे, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगी। अगर आप मुझ पर कूदते हैं और मुझ पर झपटते हैं और शारीरिक रूप से मेरे बहुत करीब आते हैं, तो यह स्वीकार्य नहीं है।

फिर बदली लकी भास्कर की रिलीज डेट, अब दिवाली पर देगी दस्तक

दुलकर सलमान की अगली फिल्म लकी भास्कर अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। हालांकि, वेंकी एटलुरी के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर से बदल चुकी है। सबसे पहले इस फिल्म की रिलीज की तारीख 27 सितंबर तय की गई थी, जिसे बाद में बदलकर 7 सितंबर कर दिया गया था। हालांकि, अब इसकी रिलीज डेट में फिर से बदलाव हुआ है, जिससे इसका इंतजार कर रहे प्रशंसकों को झटका लगना लाजमी है।

दिवाली पर दस्तक देगी लकी भास्कर

मंगलवार को लकी भास्कर के निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा की। यह अब दिवाली के अवसर पर 31 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म की प्रत्याशा को ध्यान में रखते हुए, निर्माताओं ने एक नोट जारी किया जिसमें कहा गया कि वे फिल्म की गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं करना चाहते हैं। बयान में कहा गया है, हम इसे हर भाषा में यथासंभव प्रामाणिक रूप से देसी बनाना चाहते हैं। टीम इसके पैन इंडिया रिलीज की भी योजना बना रही है जिसके लिए उन्हें अधिक समय की आवश्यकता है। लकी भास्कर के एक पीरियड थ्रिलर होने की उम्मीद है। फिल्म में दुलकर सलमान एक बैंकर की भूमिका निभाएंगे, जिसे अमीर बनने का एक रहस्यमय तरीका मिलता है। मीनाक्षी चौधरी, आयशा खान और पी. साई कुमार कलाकारों का हिस्सा हैं। लकी भास्कर का निर्देशन फिल्म निर्माता वेंकी एटलुरी ने किया है। सीथारा एंटरटेनमेंट द्वारा फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के सहयोग से निर्मित यह फिल्म तेलुगु, मलयालम, तमिल और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमा के नागा वामसी और साई द्वारा किया जा रहा है। फिल्म के संगीतकार जीवी प्रकाश कुमार हैं। यह फिल्म 31 अक्तूबर, 2024 को रिलीज होगी।

एक बार फिर साथ धूम मचाएंगे विशाल भारद्वाज-शाहिद कपूर

शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज ने साल 2009 में कमीने और 2014 में हैदर के साथ बड़े पर्दे पर साथ काम किया था। दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल किया था। अब, एक हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि निर्माता साजिद नाडियाडवाला एक्शन से भरपूर थ्रिलर के लिए शाहिद और विशाल को वापस ला रहे हैं। गौरतलब है कि यह भारद्वाज के करियर की पहली एक्शन फिल्म होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, साजिद नाडियाडवाला, शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज ने एक एक्शन थ्रिलर के लिए हाथ मिलाया है। जानकारी के अनुसार, विशाल भारद्वाज ने अपने करियर की पहली एक्शन फिल्म विकसित की है और निर्माता इसे बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बना रहे हैं। यह एक मिशन-आधारित एक्शन थ्रिलर है और साजिद नाडियाडवाला इसे सबसे बड़े संभावित तरीके से पेश करने के लिए उत्साहित हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साजिद और विशाल का मानना है कि शाहिद कपूर इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त हैं। इतना ही नहीं निर्माता अब तक बिना शीर्षक वाली इस फीचर फिल्म के लिए विशाल एक्शन सेट बनाने पर भी विचार कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, शाहिद कपूर इस एक्शन थ्रिलर की कहानी से प्रभावित थे और स्क्रिप्ट में जोरदार एक्शन देखकर इसे करने के लिए तुरंत राजी हो गए।

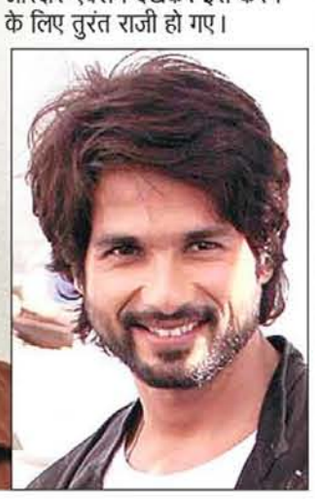

आईपीएस अफसर बनना चाहती थीं पवित्रा, टीवी में आने के लिए बदला नाम

बिग बॉस 14 के जरिए सुर्खियों में आई टीवी की मशहूर अभिनेत्री पवित्रा पुनिया अपना जन्मदिन मना रही हैं। साल 2020 में अभिनेत्री ने अपनी अदाओं से बिग बॉस के जरिए फैंस को दीवाना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। अभिनेत्री पहली बार साल 2009 में टीवी के मशहूर शो स्प्लिट्सविला में नजर आई थीं। दिल्ली के रोहिणी इलाके में अभिनेत्री की स्कूलिंग हुई, वह एक आईपीएस अफसर बनना चाहती थीं। इसके लिए पवित्रा ने करीब डेढ़ साल तक यूपीएससी की तैयारी भी की थी। इसके अलावा उन्होंने हॉस्पिटैलिटी में डिप्लोमा भी किया है। शायद बहुत ही कम लोगों को पता होगा कि पवित्रा का असली नाम नेहा सिंह है, उन्होंने अपना यह नाम टीवी शो में आने से पहले रखा था।

बॉलीवुड में आना चाहते हैं बॉबी देओल के बेटे आर्यमन-धरम

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल एनिमल के बाद से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। जल्द ही वह साउथ फिल्म कंगुवा में दिखाई देंगे। हाल ही में अभिनेता ने अपने बच्चों की इंडस्ट्री में शामिल होने की इच्छा के बारे में बताया है। उन्होंने खुलासा किया कि उनके दोनों बेटे आर्यमन और धरम देओल अभिनय में अपना करियर बनाने के लिए उत्सुक हैं। बॉबी ने अपने बच्चों को दिए जाने वाले मार्गदर्शन के बारे में भी खुलकर बात की। बॉबी देओल ने बताया कि वह अक्सर अपने बच्चों के साथ इंडस्ट्री को लेकर बात करते हैं। वह उन्हें आगे आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। अभिनेता ने हाल ही में एक बातचीत में बताया, मेरे दोनों बच्चे इस इंडस्ट्री में आना चाहते हैं। इसलिए मैं उनके साथ चीजों पर चर्चा करता रहता हूं। मैंने हमेशा ये सुनिश्चित किया है कि वे हमारी संस्कृति से अधिक जुड़े रहें। उन्होंने आगे कहा, हिंदी में बोलना कुछ ऐसा है, जिसे मैंने हमेशा प्राथमिकता दी है। मेरे बच्चे हिंदी बोलते हैं, जो वास्तव में महत्वपूर्ण है। क्योंकि अगर आप हिंदी सिनेमा में अभिनेता बनना चाहते हैं, तो यह आवश्यक है। अभिनेता ने नए पहलुओं की खोज करने के बारे में भी उत्साह जताते हुए कहा, अब चीजें बदल गई हैं। मैं हरियाणवी लहजे और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर की अन्य चीजें करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह सब करना मजेदार है। इस दौरान अभिनेता से पूछा गया कि क्या उनके बच्चों को उनका समर्थन मिलने से वह ज्यादा आत्मविश्वासी या नर्वस महसूस करते हैं। इस पर बॉबी ने कहा, मेरे उनके पिता होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं उन्हें गाइड कर सकता। मैं उन्हें गाइड कर सकता हूं। मगर इंडस्ट्री में जगह बनाना मुश्किल है। सिर्फ, एक्टर्स के लिए ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में लोग अक्सर इस बारे में बात करते हैं।

वायु की मां बनना जिंदगी का सबसे बड़ा गिफ्ट है

फिल्म अभिनेत्री सोनम कपूर ने बेटे वायु के दूसरे बर्थडे पर खास पार्टी का आयोजन किया। जिसमें करीबी रिश्तेदारों ने शिरकत की थी। सोनम ने इंस्टाग्राम पर चॉकलेट केक की एक रील साझा की। इसमें केक के ऊपर एक विंटेज आइस ब्लू कार थी, जिस पर नंबर 2 लिखा हुआ था। 20 अगस्त को सोनम ने अपने बेटे वायु के लिए एक दिल को छू लेने वाला नोट लिखा। कहा कि वायु की मां बनना उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा गिफ्ट है। सोनम ने कहा, मेरा बच्चा आज दो साल का हो गया है। हमारे प्यारे वायु को दूसरे जन्मदिन की शुभकामनाएं, तुम्हारी मां बनना मेरे लिए अब तक का सबसे बड़ा उपहार है। तुमने हमारे जीवन को बहुत खुशी, हंसी और आश्चर्य से भर दिया है।

अभिनेत्री ने साझा किया कि वायु के साथ, हर दिन एक रोमांच है जो आपकी असीम जिज्ञासा, आपकी संक्रामक हंसी और आपके मधुर, प्रेमपूर्ण स्वभाव से भरा है। आपने हमारी दुनिया में इतनी रोशनी और खुशी लाई है, जिससे हर पल और अधिक सुंदर और हर रिश्ता मजबूत हुआ है। आपने अपने दादा और मेरे बीच के प्यार को उन तरीकों से गहरा किया है जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी, और आपने उन सभी के लिए शुद्ध, अनफिल्टर्ड खुशी लाई है जो आपसे प्यार करते हैं। उन्होंने कहा कि वायु उनकी धूप, संगीत, छोटी प्रतिभा और उनकी अंतहीन खुशी का स्रोत है। हम आपको शब्दों से ज्यादा प्यार करते हैं, और हम उन सभी अद्भुत चीज़ों को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते जो आप हमारे जीवन में लाते रहेंगे।

शो कॉल मी बे में नजर आने वाले हैं, कहा- मैं मजाकिया किस्म का इंसान हूं...

अभिनेता वरुण सूद अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज कॉल मी बे की रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्हें लगता है कि इस सीरीज ने उन्हें एहसास दिलाया कि उनमें हास्य की अच्छी समझ है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि उन्हें इस चीज का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि वह हास्य की अच्छी समझ रखते हैं। मेरी मां को लगता था कि मैं मजाकिया हूं, लेकिन मैंने इस बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मां हमेशा अपने बच्चों की सराहना ही करती रहती हैं। सीरीज में वरुण एक जिम ट्रेनर की भूमिका में दिखाई देंगे। इसमें अनन्या पांडे दिल्ली की लड़की का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज में अनन्या का मुख्य किरदार दिल्ली के एक संपन्न परिवार से ताल्लुक रखता है। वह बहुत ही सुरक्षित माहौल में पली-बढ़ी है, लेकिन उसे बॉम्बे जाना पड़ता है। शो के ट्रेलर से पता चलता है कि सीरीज मजेदार होने वाली है। सीरीज में वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। दिल्ली के रहने वाले वरुण सूद ने शुरू में अपने पिता और दादा के नक्शेकदम पर चलते हुए सेना में शामिल होने की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में उन्होंने शोबिज की ओर रुख कर लिया। उन्होंने एक फिटनेस ट्रेनर के रूप में अपना करियर शुरू किया और 'एमटीवी रोडीज', 'एमटीवी स्प्लिट्सविला', 'ऐस ऑफ स्पेस' और 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे रियलिटी शो में भाग लिया। उन्होंने 'रागिनी एमएमएस- रिटर्न्स' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी।

अब नहीं लगेगा सेक्टर-62-63 में जाम

सीईओ ने कंसलटेंट एजेंसी व अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। अब सेक्टर-62 व सेक्टर-63 में जाम नहीं लगेगा। यहां पर

लगने वाले जाम पर अंकुश लगाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने सलाहकार कंपनी के साथ बैठक की। जिसमें सलाहकार कंपनी ने जाम से निजात पाने का प्रस्तुतिकरण भी अधिकारियों के समक्ष पेश किया। इस बैठक में सीईओ डा. लोकेश एम के अलावा एसीईओ संजय खत्री, ओएसडी महेन्द्र प्रसाद, यातायात पुलिस के डीसीपी यमुना प्रसाद, जनस्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह, एनटीसी के उप महाप्रबंधक श्रीपाल भाटी, जनस्वास्थ्य वरिष्ठ प्रबंधक खंड-1 गौरव बंसल तथा खंड-2 के वरिष्ठ प्रबंधक आर.के. शर्मा एवं कंसलटेंट कंपनी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि बैठक में शहर के प्रमुख यातायात समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई और उनके समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सबसे अधिक ध्यान एनएच-09 से सेक्टर-62, 63 के मध्य मुख्य प्रवेश मार्ग पर व्यस्त समय में लगने वाले जाम पर केंद्रित रहा। इस समस्या के समाधान के लिए कई सुझाव दिए गए, जिनमें मेरठ की तरफ से आने वाले वाहनों के लिए लेफ्ट टर्न को चौड़ा करना, सार्वजनिक शौचालय को स्थानांतरित करना और थ्री व्हीलर के लिए उचित स्टैंड बनाना शामिल है।

अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-62 की तरफ पड़ने वाली सोसाइटियों के सामने सर्विस रोड पर पैदल यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने और सौंदर्यीकरण का काम करने का निर्णय लिया गया। ममूरा क्रॉसिंग पर केवल लेफ्ट टर्न की अनुमति देने का प्रस्ताव भी रखा गया। एनएच-9 और एफएनजी मार्ग के प्रवेश बिंदु पर भी सुधार की योजना बनाई गई है। दिल्ली मेट्रो ट्रेन के वाशिंग यार्ड के सामने टी-पॉइंट पर जाम की समस्या को हल करने के लिए एक नया डिजाइन प्रस्तावित किया गया है। सेक्टर-127 में एचसीएल एसईजेड के पास, अमेटी यूनिवर्सिटी के टी-पॉइंट और रायपुर गांव के सामने टी-पॉइंट पर भी सुधार कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए।

भंगेल मार्किट में दुकानों के शटर डाउन लालबत्ती पर व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा से ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाले भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण नोएडा के सबसे बड़े मार्किट के दुकानदारों के लिए नासूर बन गया है। लोगों को एनएसईजेड जाने वाली सड़क पर जाम से मुक्ति दिलवाने के लिए भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण नोएडा प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है।

4 साल पहले शुरू हुए भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य ख़त्म होने का नाम नहीं ले रहा है। रोड के निर्माण में देरी से यहाँ लगने वाला बाज़ार और दुकानें ठप हो गई है।दुकानदारों को किराया देना भी मुश्किल हो रहा है। निर्माण कार्य में देरी से परेशान भंगेल एलिवेटेड रोड पर पड़ने वाले सलारपुर और भंगेल

के व्यापारियों ने आज रोड पर धरना देकर सेक्टर-82 लालबत्ती पर जाम लगा दिया। व्यापारियों ने अपनी दुकानों के शटर डाउन कर दिए।

आपको बता दें कि भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य जून 2020 नोएडा प्राधिकरण द्वारा शुरू किया गया था। जानकारी के मुताबिक़ एलिवेटेड रोड का काम दिसंबर 2022 तक पूरा होना था।रोड के निर्माण कार्य में कई बाधाएँ आई प्रमुख तौर पर अनुमान से ज़्यादा लागत के चलते रोड का निर्माण कार्य आज तक पूरा नहीं हो पाया है। भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण नोएडा के सेक्टर-41 से सेक्टर-82 एनएसईजेड तक होना था। नोएडा प्राधिकरण ने भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण भंगेल-सलारपुर रोड पर रोज-रोज के ट्रैफिक जाम की समस्या को खत्म करने के लिए शुरू कराया था लेकिन अब लगता है कि यह निर्माण कार्य ही लोगों के लिए एक समस्या बन गया है।

भंगेल सलारपुर गाँव के दुकानदारों से जब **चेतना मंच** के संवाददाता ने बात की तो वह अपना दुख ज़ाहिर करने से ख़ुद को रोक नहीं सके। दुकानदारों ने बताया कि मार्केट की स्थिति बहुत ही ख़राब है। भंगेल एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य के चलते नोएडा प्राधिकरण ने चार महीने पहले रोड को बंद कर दिया था। जिस कारण ग्राहकों ने मार्केट में आना बंद कर दिया है जिससे सभी दुकानदारों का धंधा चौपट हो गया है। दुकानों का किराया देना भी मुश्किल हो गया है। भंगेल मार्केट में कपड़े के कारोबारी सुनील ने बताया कि निर्माण कार्य की वजह से बारिश में जगह-जगह कीचड़ हो जाती है।रोड भी टूटा हुआ है।

व्यापारियों ने लगाया जाम

भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य से प्रभावित दुकानदारों ने शुक्रवार दोपहर को सेक्टर-82 भंगेल लालबत्ती पर प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। दुकानदारों ने अपनी दुकानों के शटर डाउन कर दिए। दुकानदारों का कहना है कि

प्राधिकरण उन्हें बर्बाद करने पर तुला है। चार महीने पहले रोड को बंद कर दिया गया है, लेकिन चार दिन भी एलिवेटेड रोड पर काम नहीं हुआ है। भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण के चलते पिछले चार सालों में दुकानदारी पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। धंधा चौपट हो गया है। अब उनके सामने यहां से पलायन का ही विकल्प बचा है।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि प्राधिकरण को एलिवेटेड रोड का निर्माण जल्द से जल्द करवाना चाहिए। उन्होंने प्राधिकरण के सीईओ को पत्र लिखकर मांग की है कि व्यापारियों की समस्या के मददेनजर तुरंत समाधान कराया जाए वर्ना व्यापारी सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होंगे।

पूरा होने वाला है काम

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का दावा है कि अब मौके पर काम तेजी से चल रहा है। अगले 8-10 माह में भंगेल एलिवेटेड रोड का काम पूरा हो जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक भंगेल एलिवेटेड रोड का काम पूरा हो जाने के बाद नोएडा से सूरजपुर और दादरी जाने वाले लोगों का समय बचेगा।

जिला जज के आश्वासन के बाद अधिवक्ताओं का धरना स्थगित

नोएडा (चेतना मंच)। जिला न्यायालय गौतमबुद्धनगर परिसर में अधिवक्ताओं के लिए प्रस्तावित बहुमंजिला चैंबरों के आवंटन का गत 16 अगस्त को उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेशों की अवहेलना करते हुए किए गए ड्रॉ में धांधली के विरुद्ध पिछले कई दिनों से चल रहा अधिवक्ताओं का धरना जिला जज के इस आश्वासन कि 'निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा' के बाद स्थगित हो गया। इसके साथ ही चैंबर आवंटन का ड्रॉ निरस्त होना तय हो गया है। इससे पहले सैकड़ों अधिवक्ताओं ने न्यायालय परिसर में धरना प्रदर्शन कर बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों पर चैंबर आवंटन के ड्रॉ में गंभीर आरोप लगाए। इस बीच बार कार्यकारिणी के एक सदस्य ने इस मामले को लेकर अपने पद से त्यागपत्र भी दे दिया।

दोपहर तक धरना प्रदर्शन करने के बाद जिला जज अवनीश सक्सेना की अदालत में पहुंचे

सैकड़ों अधिवक्ताओं ने चैंबर आवंटन प्रकरण में कार्रवाई की मांग की। उन्होंने ड्रॉ को निरस्त करने तथा उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार चैंबर आवंटन करने की भी मांग की। अधिवक्ताओं का नेतृत्व दो पूर्व बार अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी तथा मनोज भाटी बोड़ाकी कर रहे थे।जिला जज ने उन्हें बताया कि बार एसोसिएशन के द्वारा आमंत्रित करने पर वे ड्रॉ में गये थे। परंतु जैसे ही उन्हें ड्रॉ में निर्धारित प्रक्रिया का पालन न करने की जानकारी मिली, उन्होंने तत्काल बार के अध्यक्ष व सचिव को नोटिस जारी कर दिया।बार अध्यक्ष व सचिव का जवाब मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस बीच बार कार्यकारिणी के सदस्य प्रभाकर शर्मा ने इस मामले में बार द्वारा विधि विरुद्ध कार्य करने से रुष्ट होकर अपने पद से त्यागपत्र दे दिया।

श्री सनातन धर्म मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारियां शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर मंदिर के महासचिव संजय

बाली ने बताया कि तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहा है। 24 अगस्त (आज) को भजन संध्या का आयोजन एवं सुन्दर भजन की झांकियां एवं गायन के प्रसिद्ध कलाकार मुरली मनोहर एवं सांस्कृतिक राजपूत द्वारा सायं 7 बजे से मध्य रात्रि तक किया जाएगा जिसमें शहर के कई नागरिक उपस्थित होंगे और भजनों का आनंद लेंगें।

पूरे मंदिर परिसर को सुन्दर लाईटो से सजाया गया है जो अपने आप में ही बहुत अच्छी छटा बिखेर रहा है ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो बिहारी जी के दर्षनों यही कर रहें है। जन्माष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण राधा जी को फूलों की पोषाक से उनका पूर्ण श्रृंगार कर फूल बंगला बनाया जायेगा। सभी दरबारों में नई पोशाक धारण कराई जायेगी। भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव जो बड़े ही धूमधाम के साथ 26 अगस्त को प्रात: 05 बजे से देव दर्शन, सहस्त्रनाम जाप, अभिशेक पूजा, झूला दर्शन, मटकी फोड़ कार्यक्रम मध्य रात्रि तक चलेगा। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर महाआरती में गौतमबुद्ध नगर सांसद डा. महेश शर्मा, विमला बाथम, कैप्टन विकास गुप्ता, नावब सिंह नागर के द्वारा आरती की जायेगी जिसमें शहर के भक्तों उपस्थित रहेंगें साथ ही सुन्दर आतिशबाजी और प्रसाद वितरण किया जायेगा। भक्तों के लिए मंदिर प्रांगण में आने के लिए बैरेकेटिंग का पूर्ण बंदोबस्त किया गया है। जिसमें एक-एक लोग करके जन्माष्टमी के दिन भगवान का दर्षन कर सकें। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए सुरक्षा गार्ड भी लगाए जाएंगे, साथ ही सभी की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जायेगें।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008

PROPERTIES AVAILABLE FOR SALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NOJ Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US : +919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1
Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

'किसानों को भूखंड आवंटन में सेटिंग-गेटिंग का खेल'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा अर्जित भूमि के बदले किसानों को आबंटित होने वाले आबादी भूखंडों की पात्रता की परिभाषा समय-समय पर प्राधिकरण द्वारा बदली जाती रही है। इसीलिए 6 प्रतिशत और 8 प्रतिशत के भूखंड आबंटन में धांधली होती रही हैं। इसलिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को किसानों को दिये जाने वाले भूखंड आवंटन की पात्रता पॉलिसी बनाई जानी चाहिए।

ग्रेटर नोएडा के जाने-माने समाजसेवी कर्मवीर नागर प्रमुख ने यह मांग उठाई है। श्री नागर ने कहा कि ग्रेटर नोएडा की स्थापना के वक्त सभी किसानों को अर्जित भूमि की एवज में 10 प्रतिशत भूखंड आवंटित किया जाना सुनिश्चित किया गया था। लेकिन बाद में पात्रता निर्धारण के लिए किसानों को पुश्तैनी और गैर पुश्तैनी काश्तकार की श्रेणियां में बांट दिया गया। जिसमें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्थापना दिवस 28 जनवरी 1991 से पहले के काश्तकारों को ही पुश्तैनी काश्तकार की श्रेणी में रखते हुए 6 प्रतिशत और 8 प्रतिशत आबादी भूखंड के लिए पात्र माना गया। लेकिन अब खबरें मिल रही है कि पात्रता के दायरे को और संकुचित करते हुए केवल ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के गांवो के किसानों को ही 6 प्रतिशत और 8 प्रतिशत भूखंड आवंटन के लिए पात्र माना जा रहा है। जबकि पिछले दिनों रमेश चंद शर्मा नामक किसान के मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा किसानों को पुश्तैनी और गैर पुस्तैनी काश्तकार की गढी गई परिभाषा को आर्टिफिशियल करार दिया गया है।

श्री नागर ने कहा कि कुछ किसानों को अपात्र बताकर भूखंड आवंटन के हक से

भूमि की एवज में भूखंड आवंटन की पात्रता पॉलिसी बनाई जाए पारदर्शी : कर्मवीर नागर

क्यों वंचित किया गया? अगर वंचित किया गया तो प्राधिकरण के अधिकारियों ने पात्रता के नियमों पर अक्षरश: पालन क्यों नहीं किया? और जब अधिकारियों द्वारा अपात्र लोगों को भी भूखंड आवंटित कर दिए गए तो पिछले समय में भ्रष्टाचारी तरीके से अपात्र लोगों को 6 प्रतिशत और 8 प्रतिशत के भूखंड आवंटन करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई क्यों नहीं की गई? जबकि इस मामले पर पिछले दिनों जांच भी प्रारंभ कराई गई थी।

लोगों का मानना है कि हमाम में सब नंगे हैं इसीलिए अधिकारियों की गर्दन फंसते देख प्राधिकरण ने बदनामी के दर से जांच को लीपापोती करके बंद कर दिया है। क्योंकि ऐसे कई मामलों में बड़े अधिकारियों की संलिप्तता की वजह से भ्रष्टाचारियों पर कोई शिकंजा नहीं कसा गया इसीलिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में बैठे भ्रष्टाचारी मठाधीशों के हौसले अभी भी बुलंद हैं। इसीलिए अर्जित भूमि की एवज में 6 प्रतिशत और 8 प्रतिशत की भूखंड आवंटन की पात्रता निर्धारण में भ्रष्टाचार का पहले भी बहुत बड़ा खेल होता रहा है जिसकी संभावना से अब भी इनकार नहीं किया जा सकता। शायद इसीलिए अर्जित भूमि की एवज में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा पात्रता निर्धारण की नीति को पारदर्शी तरीके से खुलासा नहीं किया जा रहा है क्योंकि ऐसा करने से प्राधिकरण के कुछ भ्रष्टाचारी अधिकारियों की दुकानदारी बंद हो जाएगी।

अर्जित भूमि की एवज में किसानों को आवंटित होने वाले 6 प्रतिशत और 8 प्रतिशत के आबादी भूखंडों की पात्रता निर्धारण की शर्तें बार-बार बदलना ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तानाशाही और मनमानी के सिवाय कुछ नहीं। क्योंकि प्राधिकरण के अधिकारी शर्तों और नियमों में बदलाव का प्रस्ताव पास कब कर लेते हैं किसी को भनक तक नहीं लगती। इसलिए प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में किसानों के मुद्दे उठाने वाले किसान लोग और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल किए जाने चाहिए।

कर्मवीर नागर प्रमुख ने कहा कि समूचे देश में किसानों को श्रेणियां में बांट कर लाभ से वंचित करने का कारनामा केवल नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का ही रहा है। इसलिए नया ग्रेटर नोएडा घोषित क्षेत्र के किसानों को मुआवजा वितरण, आबादी भूखंड आवंटन और गांवों के विकास से संबंधित अहम मुद्दों पर पहले से ही सचेत रहना होगा। क्योंकि पिछले दो दशकों में इन मुद्दों से जुड़े मामलों पर नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की विश्वसनीयता पर प्रसन्न चिन्ह लगा है। क्योंकि आए दिन नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण किसानों के अहित में अपने नए नियम और शर्तें लागू करने का काम करते रहे हैं दूसरी तरफ बनाए गए नियम शर्तों और पॉलिसीज में सुराख करके भ्रष्टाचारी करनामें भी करते रहे हैं।

अभी भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा भले ही अर्जित भूमि की एवज में किसानों को आवंटित होने वाले 6 प्रतिशत और 8 प्रतिशत भूखंड की पात्रता के दायरे को भले ही नोटिफाईड गांवों तक सीमित कर दिया गया है लेकिन कुछ अधिकारी अभी भी पात्रता निर्धारण में सेटिंग गेटिंग का खेल खेल रहे हैं।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

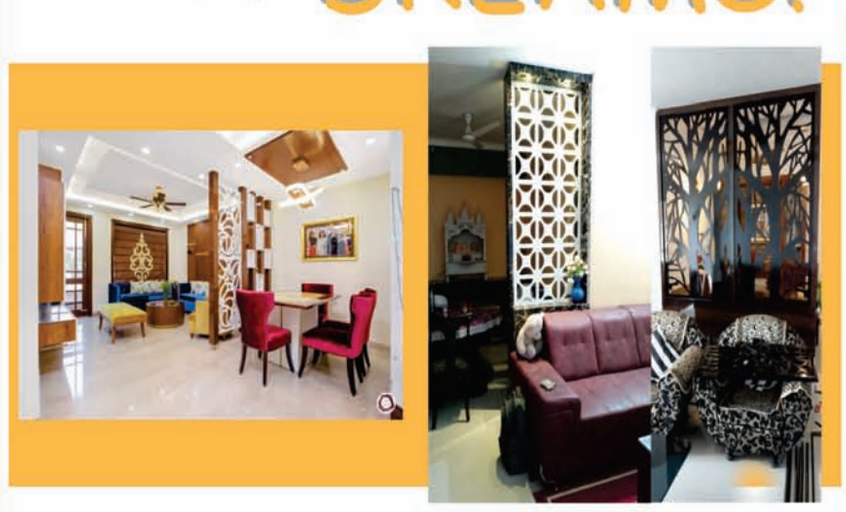

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com